हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 327, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 21 मई, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

समुद्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर बोले पीएम मोदी

हिरोशिमा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी G-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जापान के हिरोशिमा में पहुंचे हैं। इस दौरान, उन्होंने जापान के प्रमुख अखबार योमिउरी शिंबुन से कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुलकर बात की। इसमें उन्होंने जी-7 और जी-20 के बीच सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने चीन की सैन्य गतिविधियों से निपटने पर भी बात की। पीएम मोदी ने विकासशील और उभरते देशों समेत ग्लोबल साउथ की चुनौतियों को हल करने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का नेतृत्व करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान, आर्थिक सुधार, ऊर्जा अस्थिरता, स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा और शांति और सुरक्षा जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए G-7 और G-20 के बीच सहयोग को मजबूत करना महत्वपूर्ण है।

चीन पर दिया बयान- वहीं, उनसे जब पूछा गया कि भारत दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में चीन के सैन्य विस्तार, अंतरराष्ट्रीय कानून और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए ताइवान जलसंधि में बढ़ते तनाव से कैसे निपटेगा? तो पीएम मोदी ने कहा कि भारत संप्रभुता, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का सम्मान करता है। अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर हम समुद्री विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देते हुए अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अपने दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश के साथ भूमि और समुद्री सीमाओं को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है।

यूक्रेन पर बोले पीएम- इस मौके पर पीएम मोदी ने यूक्रेन मामले पर भी बात। यूक्रेन पर पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतराष्ट्रीय कानून के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के आधार पर एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए अपने मजबूत समर्थन की पुष्टि की है। भारत यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है। हम संयुक्त राष्ट्र और उसके बाहर रचनात्मक योगदान देने के लिए तैयार है।

आतंकवाद को दूर करना प्राथमिकता- ग्लोबल साउथ के प्रमुख नेता के रूप में पीएम मोदी ने आपूर्ति में बाधा, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन की चिंताओं को दूर करने की प्राथमिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत का उद्देश्य विभिन्न आवाजों के बीच एक पुल के रूप में काम करना है। दुनिया को कोविड-19 महामारी, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो विकासशील देशों को प्रभावित कर रही है। भारत इन चिंताओं को दूर करने को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि जापान और अन्य भागीदारों के सहयोग से हम मानव-केंद्रित विकास पर जोर देते हैं। भारत मानवता की भलाई के लिए साझा उद्देश्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित रचनात्मक एजेंडे को बढ़ावा देना है।

अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग के मामले में एससी पहुंची केंद्र सरकार, फैसले पर पुनर्विचार की मांग की

नई दिल्ली। दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का मामले में केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एक पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को देने के 11 मई के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। बता दें कि दिल्ली में अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया था। इससे पहले केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को उलट दिया। दरअसल, केंद्र सरकार ने जो अध्यादेश जारी किया है उसके मुताबिक दिल्ली सरकार अधिकारियों की पोस्टिंग पर फैसला जरूर ले सकती है लेकिन अंतिम मुहर उपराज्यपाल ही लगाएंगे। मुख्यमंत्री तबादले का फैसला अकेले नहीं कर सकेंगे।

योगी ने जनता दरबार में सुनी फरियाद बोले- पीड़ित की मदद में न हो विलंब

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि पीड़ितों की मदद और पात्रों को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने में विलंब नहीं होना चाहिए। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी स्तर पर कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो वहां जिम्मेदारी सुनिश्चित कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 400 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ प्रकरणों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कई लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। एक महिला ने कैंसर से उपचारित अपने परिजन के सुविधाजनक तबादले की गुहार लगाई तो मुख्यमंत्री ने उसे सकारात्मक आश्वासन दिया। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं बच्चों के साथ पहुंची थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों से आत्मीयता लपूर्वक बात कर उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। उन्हें खूब पढ़ने, आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया और दुलारते हुए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया।

दो हजार रुपये की नोटबंदी को लेकर खड़गे ने मोदी सरकार पर साधा निशाना, कहा- जांच करने पर सामने आएगी सच्चाई

बेंगलुरु। रिजर्व बैंक की ओर से 2000 के नोट बंद करने के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर सीधा निशाना साधा है। खड़गे ने कहा कि यह जनता को परेशान करने वाली एक और नोटबंदी है। एआईसीसी अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा, "मोदी ने एक और नया आदेश जारी किया है। जब भी वह जापान जाते हैं, तो वे 'नोट बंदी' अधिसूचना जारी करेंगे और जाएंगे। जब वह पिछली बार जापान गए थे तो उन्होंने 1,000 रुपये के नोट बंद कर दिए थे। इस बार जब वह गए हैं तो उन्होंने 2,000 रुपये के नोट बंदी की।" कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धारमैया और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "वह (पीएम) नहीं जानते कि इससे देश को फायदा होगा या नुकसान होगा। मोदी जो 'नोटबंदी' कर रहे हैं, एक बार फिर किया है। वह लोगों को परेशान कर रहे हैं।" 2000 के नोट के बंद किए गए सकुर्लेशन को लेकर जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट करते हुए कहा, "आपने पहली नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को एक गहरा जख़्म दिया था। जिससे पूरा असंगठित क्षेत्र

तबाह हो गया, MSME ठप हो गए और करोड़ों रोजगार गए! अब 2000 के नोट वाली "दूसरी नोटबंदी" क्या ये गलत निर्णय के ऊपर पदेदारी है? एक निष्पक्ष जाँच से ही कारनामों की सच्चाई सामने आएगी।" बीते शुक्रवार को रिजर्व बैंक ने अचानक इस बात की घोषणा कर दी कि 2,000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लिया जाएगा। हालांकि, जनता को 30 सितंबर तक ऐसे नोटों को खातों में जमा करने या बैंकों में बदलने का समय दिया गया है। हालांकि, इससे पहले नवंबर 2016 में अचानक हुई नोटबंदी के समय 500 रुपये और 1,000 रुपये के पुराने नोटों को रातों रात अमान्य कर दिया गया था, लेकिन इस बार 2,000 रुपये के नोट 30 सितंबर तक वैध रहेंगे।

कर्नाटक की नवगठित सरकार को बताया प्यार की सरकार- भाजपा पर राहुल गांधी के 'नफरत' वाले बयान को दोहराते हुए खड़गे ने कहा, "यहां हमारी सरकार प्यार की सरकार है, जो सबको साथ लेकर चलेगी।" कर्नाटक में नवगठित कांग्रेस सरकार को "प्यार की सरकार" बताते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि चुनाव से पहले लोगों से किए गए सभी पांच वादे लागू किए जाएंगे। खड़गे ने कहा, "हम अपने किए गए सभी वादों को पूरा करेंगे।

जी-7 में दिखा बाइडन-मोदी व सुनक का याराना, बैठक में गर्मजोशी से मिले, एक-दूसरे को गले भी लगाया

नई दिल्ली। जापान के हिरोशिमा शहर में जी-7 शिखर सम्मेलन में शनिवार को पीएम मोदी ने कई बड़े नेताओं से मुलाकात की। भारत इस संगठन का हिस्सा नहीं है, लेकिन एक मेहमान देश के तौर पर पीएम मोदी इस शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। यहां उन्होंने दुनियाभर के कई बड़े नेताओं से मुलाकात की। इनमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तक शामिल रहे। जी7 की इस बैठक के दौरान पीएम मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से भी मुलाकात की। हॉल में बाइडन के प्रवेश करते ही पीएम मोदी ने उनसे गले मिलकर अभिवादन किया, जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ बाते भी हुई। पीएम मोदी ने इस बैठक में ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक से भी मुलाकात की। यहां भी दोनों नेताओं ने गले लगाकर एक दूसरे का अभिवादन किया। ब्रिटेन पीएम सुनक ने अपने ट्विटर अकाउंट पर गले मिलने की तस्वीरें भी शेयर की है। पीएम मोदी जी-7 सम्मेलन के लिए जापान में 19 से 21 मई तक रहेंगे, इसके बाद वह एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पापुआ न्यू गिनी जाएंगे।

2000 रु. के नोट वापस लेने का अर्थव्यवस्था पर नहीं होगा कोई असर, 11% से भी कम है कुल करेंसी में हिस्सेदारी

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया की ओर से आरबीआई द्वारा 2,000 रुपये के नोट वापस लेने की घोषणा पर कहा कि केंद्रीय बैंक के इस फैसले से अर्थव्यवस्था पर सीधा कोई असर नहीं होगा। क्योंकि मौजूदा 2000 के नोटों को सरकार द्वारा छोटी वैल्यू के नोटों से बदल दिया जाएगा। पनगढ़िया की ओर से बताया गया कि इसके पीछे का उद्देश्य कालेधन का अर्थव्यवस्था में चलन को कम करना है। एक समाचार एजेंसी को दिए बयान में उन्होंने कहा कि हम इसका अर्थव्यवस्था पर कोई सीधा प्रभाव नहीं देख रहे हैं। सरकार जल्द इसकी वैल्यू के नोटों को छोटी वैल्यू के नोटों से रिप्लेस कर देगी और पैसे की आपूर्ति पर इसका कोई असर नहीं होगा। पनगढ़िया के मुताबिक, 31 मार्च,2023 तक देश में चल रही कुल मुद्रा की वैल्यू का 10.8 प्रतिशत ही 2000 रुपये का नोटों से आता है। इसमें से ज्यादातर पैसे अवैध लेनदेन को करने के लिए किया जाता है। आरबीआई की ओर से शुक्रवार को 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने का एलान कर दिया गया था। आम जनता 23 मई से लेकर 30 सितंबर तक 2000 के नोट को छोटी वैल्यू के नोटों से बदल सकती है। हालांकि, एक बार में अधिकतम 20,000 रुपये या 10 नोट बदले जा सकते हैं। 2016 में 500 और 1000 रुपये की नोटबंदी के बाद आरबीआई की ओर से 2000 रुपये के नए नोट जारी किए गए थे। उस समय सरकार की ओर से नए नोट जारी करने के लिए तर्क दिया गया था कि इससे जल्द से जल्द पुराने नोटों को नए नोट में बदला जा सकेगा। 2018-19 के बाद 2000 रुपये के नोटों की छपाई बंद कर दी गई थी।

पंचतत्व में विलीन में हुई समद्रा देवी, अभय राम यादव ने दी मुखाग्नि, परिवार ने नम आंखों से दी विदाई

इटावा। इटावा जिले के सैफई में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ताई और पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव की दादी समद्रा देवी (84) का शनिवार सुबह तीन बजे निधन हो गया। वह काफी समय से अस्वस्थ चल रही थीं और उनका इलाज सैफई मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। बता दें कि समद्रा देवी, नेताजी मुलायम सिंह यादव के बड़े भाई और सैफई महोत्सव के संस्थापक स्वर्गीय रणवीर सिंह यादव की माता थीं। निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेता सैफई स्थित आवास पर एकत्रित होने लगे थे। अंतिम संस्कार का समय दोपहर के समय रखा गया। सपा अध्यक्ष भी सपरिवार सैफई पहुंचे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव, पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव आदि सैफई स्थित आवास पर पहुंच गए हैं।

सैफई परिवार में पसरा शोक- जानकारी के मुताबिक, समद्रा देवी पिछले काफी समय से बीमार चल रही थीं। उनका इलाज सैफई से ही चल रहा था। कुछ दिनों पहले उनकी हालत ज्यादा बिगड़ी, तभी से वह मेडिकल कॉलेज में भर्ती थीं। कल रात उन्होंने दम तोड़ दिया। इस खबर के बाद पूरे सैफई परिवार

में शोक पसर गया है।

घर से रवाना हुई अंतिम यात्रा- समद्रा देवी जी की अंतिम यात्रा सैफई स्थित पैतृक घर से विश्राम घाट के लिए रवाना हो गई है। इस दौरान पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह, शिवपाल के पुत्र आदित्य यादव, पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव, पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव आदि ने पार्थिक शरीर को कंधा दिया।

शपथग्रहण समारोह में नहीं दिखा विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन, कांग्रेस ने कई दलों को नहीं भेजा न्योता

बेंगलुरु। कर्नाटक को आखिरकार आज अपना मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मिल ही गया। आज कांग्रेस के दिग्गज नेता सिद्धारमैया ने कर्नाटक के 30वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं, डीके शिवकुमार ने नई सरकार में उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके अलावा आठ से अधिक विधायकों को सिद्धारमैया मंत्री मंडल में शामिल किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता कि इस नई सरकार के शपथ समारोह में कौन से दिग्गज नेता शामिल हुए और कौन से नेता कन्नी काटते नजर आए। दरअसल, समारोह को एकजुट दिखाने के मंच के रूप में भी देखा जा रहा था। क्योंकि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए विपक्षी एकता को दशार्ना जरूरी है। हालांकि, कुछ विपक्षी नेताओं को तो न्यौता ही नहीं दिया गया था। राज्य के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, मक्कल नीडि माईम के प्रमुख कमल हसन, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, छत्तीसगढ़

के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शामिल हुए। वहीं, बिहार के उप मुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौके पर नजर आए। हालांकि, समारोह में सोनिया गांधी उपस्थित नहीं हुईं।

न्यौता के बाद भी नहीं पहुंचे ये लोग- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खुद विपक्ष के कई नेताओं को शपथ समारोह में आने का न्यौता दिया था। हालांकि, न्यौता के बाद भी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, सीपीआई महासचिव डी राजा, सीपीआईएम के महासचिव सीताराम येचुरी समारोह में शामिल नहीं हुए।

इन नेताओं को नहीं दिया निमंत्रण- वहीं, कई नेता तो ऐसे थे, जिन्हें बुलाया ही नहीं गया था। उनमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना के सीएम केसीआर, केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन, आंध्र प्रदेश के सीएम जगनमोहन रेड्डी, ओडिशा के मुख्यमंत्री के अलावा बसपा चीफ मायावती और बीजद चीफ नवीन पटनायक शामिल हैं।

कांग्रेस की हुई आलोचना- केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को निमंत्रण न देने पर सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने कांग्रेस की आलोचना भी की। एलडीएफ के संयोजक ईपी जयराजन ने कहा था कि कांग्रेस के इस कदम ने साबित कर दिया है कि वह भाजपा के खिलाफ देश की धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ताकतों को एक साथ लाने के मिशन को पूरा नहीं कर सकती है।

ऊर्जा मंत्री का निर्देश : क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर और फीडर को तत्काल दुरुस्त करें, बिजली सप्लाई में दिक्कत न हो

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रचंड गर्मी और लू में बिजली उपभोक्ताओं को परेशानी नहीं होनी चाहिए। जहां ट्रांसफार्मर और फीडर क्षतिग्रस्त हो, उसे तत्काल ठीक किया जाए। जर्जर लाइन, झूलते तार आदि को ठीक करें, जिससे बिजली सप्लाई में दिक्कत न हो। उन्होंने बिजली व्यवस्था के सुधार में कोताही न बरतने की चेतावनी भी दी। वहीं, ऊर्जा मंत्री के निदेर्शों के अनुपालन को लेकर पावर कॉपोर्रेशन के अध्यक्ष एम. देवराज ने अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उन्होंने ट्रांसफार्मर जलने की घटनाओं पर असंतोष व्यक्त किया। कहा, ट्रांसफार्मर के रखरखाव व मेंटेनेंस के बारे में गर्मी शुरू होने से पहले ही विद्युत वितरण में लगे निगम अधिकारियों को सचेत किया गया था। इसके बावजूद ट्रांसफार्मर जलने एवं क्षतिग्रस्त होने की सूचनाएं मिल रही हैं। ट्रांसफार्मर में आग लगने का एक बड़ा कारण ओवरलोडिंग है लिहाजा ओवरलोडिंग वाले क्षेत्रों में उन्हें अपग्रेड किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों के परीक्षण में अगर कहीं व्यक्तिगत लापरवाही पाई गई तो उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में 90 परिवर्तक कार्यशालाएं इसकी मरम्मत का कार्य कर रही है। इसकी समीक्षा भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2022 की तुलना में इस वर्ष ट्रांसफार्मरों की क्षतिग्रस्तता में 15.14 प्रतिशत की कमी आई है।

संपादकीय

कर्नाटक चुनाव परिणाम से चिंतित भाजपा करेगी रणनीति में बदलाव

2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पराजय का सामना करना पड़ा था। चारों राज्यों की पराजय शायद भाजपा की रणनीति का एक हिस्सा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इसके बाद भाजपा ने कर्नाटक और म.प्र. की कांग्रेस सरकारों को गिराकर भाजपा की सरकारें बना ली थी। 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का जिस तरीके से विरोध हुआ है, भाजपा की कोई रणनीति यहां पर काम नहीं आई। कर्नाटक में मोदी का चेहरा, बजरंगबली के नारे लगाने के बाद भी भाजपा को करारी पराजय का सामना करना पड़ा। पहली बार कर्नाटक चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी व्यक्तिगत साख को दांव पर लगाया था। उन्होंने चुनाव प्रचार अभियान के आखिरी दिनों में 19 रैलियां और 6 सड़क यात्रायें निकाली। पिछले 6 महीने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्नाटक यात्राएं हो रही थी। उन्होंने हवाई अड्डा का लोकार्पण, सड़क परियोजनाओं, रेलवे के प्लेटफार्म तथा कर्नाटक विकास को लेकर कई बड़ी योजनाओं की घोषणा और आश्वासन, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस का भरोसा दिलाने के बाद भी मतदाताओं पर ना तो मोदी पर विश्वास हुआ, नाही भाजपा के भ्रष्टाचार पर मोदी का मलहम काम आया। उल्टे महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याएं तथा धार्मिक सद्भाव को लेकर कर्नाटक के मतदाताओं ने एक नई दिशा चुनाव परिणाम में दी है। कर्नाटक के चुनाव परिणाम भाजपा के लिए एक खतरे की घंटी की तरह है। कर्नाटक में महिलाओं का कांग्रेस की ओर तेजी के साथ झुकाव दिखा है। महिलाओं का वोट 11 फीसदी ज्यादा कांग्रेश को मिला है। महंगाई बेरोजगारी और आर्थिक मंदी के कारण घर का बजट बुरी तरीके से बिगड़ा है। इसके आगे भाजपा के सभी प्रयास निष्फल साबित हुए। सबसे बड़ी बात यह है कि कर्नाटक से जो बातें निकल कर सामने आई हैं। उसमें 10000 रुपये से कम आमदनी वाले परिवारों ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान ज्यादा किया है। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 15 सीटों में से 1 सीट भी भाजपा नहीं जीत पाई। दलित आरक्षित सीटों पर भी मात्र एक तिहाई सीट में सफलता मिली। कर्नाटक में भाजपा के 30 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। धार्मिक एवं सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का कोई असर मतदाताओं में देखने को नहीं मिला। हिजाब, हलाल, अजान और टीपू सुल्तान को लेकर जो हवा भाजपा ने बनाई थी, वह भी परवान नहीं चढ़ी। कटी पतंग की तरह चुनाव के दौरान वह जमीन पर आ गिरी। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में हिंदू मतदाताओं का भी भाजपा से मोहभंग हुआ। महंगाई और बेरोजगारी के चलते हिंदी-हिंदू और हिंदुस्तान का मतलब पूरी तरह से यहां गौड हो गया। भाजपा का अति आत्मविश्वास भी कर्नाटक में पराजय का सबसे बड़ा कारण रहा है। कांग्रेस ने चुनाव का जो एजेंडा सेट किया था। भाजपा को उसके अनुसार चलना पड़ा, जो कर्नाटक में भाजपा की पराजय का कारण बना। भूखे भजन न होय गोपाला की तर्ज में अब आम मतदाता की सोच बड़ी तेजी के साथ बदली है। कर्मफल के बिना पेट भी नहीं भरा जा सकता है। जय श्री राम, बजरंगबली और हिंदू-हिंदू करने से हिंदू मतदाताओं का पेट नहीं भर रहा है। उन्हें भी 70 रुपये लीटर का दूध लेना पड़ रहा है। 90 से 100 रुपये लीटर का डीजल-पेट्रोल लेना पड़ रहा है। जीएसटी के माध्यम से सभी चीजों में 12 से लेकर 28% तक टैक्स हर गरीब को देना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपराजेय होने की जो छवि बनी थी, वह कर्नाटक में धूमिल हो गई है। कहा जा रहा है कि भाजपा अब अपनी शैली में बदलाव लाने की तैयारी कर रही है। लोकसभा चुनाव के पहले नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान भाजपा भी खोलने जा रही है। लोकसभा चुनाव के पहले पशमंदा मुसलमानों और ईसाइयों को आकर्षित करने के रणनीति भाजपा ने तैयार करना शुरू कर दी है।

दो हजार वाले को!

हो गया ऐलान ।
हुई फिर विदाई ।।
रखे थे संजोकर ।
आ रही रुलाई ।।
टूट रहा है बार बार ।
काफी ये कहर ।।
हुई चर्चा तेज ।
गांव और शहर ।।
जमा करने जाना है ।
करो ये झटपट काम ।।
समय मिला है अल्प ।
ना रहना नाकाम ।।
दिखे किधर यदि ज्यादा ।
पूछताछ भी होनी ।।
फुसफुसाहट पहले से ही ।
ना बोलो अनहोनी ।।
आओ कर लें प्रेम से ।
तंत्र को स्वीकार ।।
दो हजार वाले को ।
पहना देते हार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

पाकिस्तान के हालात दर्शा रहे हैं कि यह देश चार हिस्सों में बँटने जा रहा है

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी और फिर उनकी रिहाई के बाद हालात बेकाबू हो रहे हैं। इसके बाद भी उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है, क्योंकि पाकिस्तान की सर्वोच्च अदालत ने उनको प्रकरण में बरी नहीं किया है, केवल जिस स्थान से गिरफ्तार किया, वह तरीका गलत बताया है। इस दौरान पाकिस्तान में जो चला या चल रहा है, उसे किसी भी प्रकार से पाकिस्तान के लिए हितकारी नहीं माना जा सकता। तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के कार्यकताओं ने एक प्रकार से पाकिस्तान को राजनीतिक आतंक की आग में झोंकने का काम किया है। पिछले कई वर्षों से बेहद दयनीय स्थिति का सामना कर रहे पाकिस्तान में इस प्रकार के हालात उत्पन्न करना अपने स्वयं के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही कहा जाएगा। इसी कारण पाकिस्तान की स्थिति दिनों दिन और ज्यादा विकराल होती जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार के विरोध में खतरनाक ढंग से प्रदर्शन करना कहीं न कहीं पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी निरूपित होता जा रहा है। इससे पाकिस्तान की स्थिति और ज्यादा खराब ही होती जाएगी।

पाकिस्तान की विसंगति यही है कि वहां आतंकवाद को खुले तौर पर आश्रय दिया जाता है। आतंकी आकाओं को संरक्षण प्रदान करने वाली सरकार न चाहते हुए भी उनके संकेत पर कार्य करने के लिए विवश रहती है। इतना ही नहीं पाकिस्तान की सेना भी दूसरे देश के लिए आतंकियों जैसा ही व्यवहार करती है। आज पाकिस्तान की स्थिति को देखते हुए यह सहज ही कहा जा सकता है कि आतंक केवल आतंकवादी ही नहीं फैलाते, बल्कि हर स्तर पर आतंक का सहारा लिया जाता है। अभी जिस प्रकार से राजनीतिक प्रदर्शन किया गया, वह प्रदर्शन कम आतंक फैलाने वाला ज्यादा दिखाई दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान के लिए किसी बड़े नेता की गिरफ्तारी कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी नेताओं पर भ्रष्टाचार के मामले चले हैं। जब कोई नई सरकार बनती है कि पूर्ववर्ती सरकार के मुखिया को राजनीतिक विद्वेष का शिकार होना पड़ा है। वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भाई नवाज शरीफ भी इसके शिकार हो चुके हैं। स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो यही कहना तर्कसंगत होगा कि पूरा पाकिस्तान राजनीतिक विद्वेष की अवधारणा को लेकर ही राजनीति कर रहा है।

जहां तक पाकिस्तान की सेना की बात है तो यह सर्वविदित है कि सेना के संरक्षण में ही पाकिस्तान की सरकार बनती है, जैसे ही सरकार सेना के विरोध में आती है, तब पाकिस्तान की सरकार का या तो तख्तापलट हो जाता है या फिर सेना किसी दूसरे दलों को समर्थन देकर नई सरकार बनवा देती है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में जब इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सत्ता में आई थी, तब इमरान खान की पार्टी को कुछ दलों के साथ स्पष्ट बहुमत मिला था, इस समय सेना का पूरा समर्थन इमरान को प्राप्त था। आज से एक साल पूर्व पाकिस्तान की इमरान खान सरकार को सत्ता से बेदखल कर शहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने। इमरान खान के समर्थन में इस बार का प्रदर्शन खतरनाक स्थिति में है। इस बात का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि आगजनी की घटनाओं के बाद पूरे पाकिस्तान में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। वहां सरकारी वाहनों पर खतरनाक ढंग से पत्थरबाजी की जा रही है। जिससे जहां एक ओर आठ से ज्यादा नागरिक और कार्यकर्ता मारे गए हैं, वहीं कई घायल भी हुए हैं। इन घटनाओं से इस बात के साफ संकेत मिल रहे हैं कि पाकिस्तान बहुत बड़े गृह युद्ध की ओर कदम बढ़ा रहा है। स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो यह कहना समीचीन होगा कि पाकिस्तान में उसके ही नागरिक एक दूसरे की जान के दुश्मन बन चुके हैं। यानी आतंक भरा वातावरण तैयार करके एक दूसरे के खून के प्यासे बनते जा रहे हैं। पाकिस्तान जैसे बदहाल देश के लिए इस प्रकार की स्थिति किसी भी प्रकार से ठीक नहीं कही जा सकती, क्योंकि इस प्रकार की आपसी लड़ाई में पाकिस्तान कभी उबर नहीं सकता। वैसे यह कहा जाना तर्कसंगत ही होगा कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी करना किसी भी समस्या का हल नहीं है, बल्कि उस समस्या को और ज्यादा विकराल बना देने जैसा ही है। उल्लेखनीय है कि विरोध प्रदर्शन में आगजनी करके शासन, प्रशासन और सेना को ही निशाना बनाने का काम किया गया है। जो यह संकेत करता है कि यह प्रदर्शन सरकार और सेना के विरोध में है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के कार्यकर्ता बेकाबू हैं, इन्हें न तो प्रशासन रोक पाने का सामर्थ्य जुटा पा रहा है और न ही पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ता रुकने की स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। इसलिए ऐसा लग रहा है कि यह अस्तित्व की लड़ाई अभी और लम्बी चलेगी। जो वर्तमान सरकार के लिए एक चुनौती बनेगी ही, साथ ही पाकिस्तान के रास्ते में बड़ा अवरोध भी बन सकती है।

अपने जन्म काल के समय से पाकिस्तान अपने हुक्मरानों की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहा है। वर्तमान की स्थिति और भी ज्यादा खतरनाक है। पाकिस्तान की जनता महंगाई के दलदल में फंसती जा रही है। पाकिस्तान को जिन देशों से आस थी, वह आस भी अब टूटने लगी है। चीन ने पाकिस्तान को ऐसी जगह छोड़ दिया है, जिसकी एक ओर कुआँ है तो दूसरी तरफ खाई है। यानी पाकिस्तान जिधर भी जाएगा, उस तरफ उसकी दुर्गति ही होनी है। दूसरा एक नया संकट पाकिस्तान में यह भी उभर रहा है कि उसके राज्यों में स्वायत्त देश बनाने की मांग भी उठ रही है। अगर ऐसा होता है तो स्वाभाविक रूप से पाकिस्तान चार हिस्सों में बंट जाएगा। इसमें से सिंध, पंजाब और बलूचिस्तान में भारत के प्रति सकारात्मक आवाजें आ रही हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि पाकिस्तान ने 75 साल पूर्व जो भूल की थी, आज उस भूल को सुधारने का प्रयत्न करने की ओर अग्रसर हो रहा है। पाकिस्तान के कई नागरिक पहले भी खुले तौर पर कह चुके हैं कि आज पाकिस्तान की दुर्गति को देखकर यही लगता है कि हम हिन्दुस्तान के साथ ही रहते।

किरण रिजिजू अपनी राजनीति का खुद शिकार तो नहीं?

क्या केन्द्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू को उनके बड़बोले पन के चलते हटाया गया? क्या किरण रिजिजू को रिटायर्ड जजों पर उस टिप्पणी के चलते हटाया गया जो एक निजी चैनल के कॉनक्लेव के दौरान कहे थे? क्या रिजिजू यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू को देश भर में लागू कराने में असफल रहे?क्या रिजिजू के बयानों से कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका के बीच नई जंग तो नहीं शुरू होने लगी?ये वो सवाल हैं जो देश के कानून मंत्री रहते हुए किरण रिजिजू को घेरते जा रहे थे। इसकी शुरूआत उस बयान से हुई जो उन्होंने एक निजी चैनल के कॉनक्लेव में कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीश पर उठाते हुए कहा था कि रिटायर्ड जज और एक्टिविस्ट भारत विरोधी गिरोह का हिस्सा बनकर कोशिश कर रहे हैं कि भारतीय न्यायपालिका विपक्षकी भूमिका निभाए। इतना ही नहीं उन्होंने न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित कॉलेजियम प्रणाली की भी जमकर आलोचना की थी और कहा था कि यह कांग्रेस पार्टी के दुस्साहस का परिणाम है। जजों की नियुक्ति में इस प्रणाली को अपारदर्शी बताया तो कभी संविधान से अलग वो प्रणाली बताई जो दुनिया में अकेली है और जजों को अपने चहेतों को नियुक्त करने का मौका देती है।मामला उस समय और सुर्खियों में आ गया जब इसी कॉनक्लेव में भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कॉलेजियम प्रणाली का न केवल बचाव किया बल्कि यहां तक कह दिया कि हर प्रणाली दोष से मुक्त नहीं है। लेकिन कॉलेजियम सबसे अच्छी प्रणाली है जिसे हमने ही विकसित किया है। जिसका उद्देश्य न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा करना है जो एक बुनियादी मूल्य भी है।

उनके बयानों को लेकर देश में काफी हो हल्ला मचा था। समर्थन और विरोध में खेमेबाजी भी हुई। कई वकीलों और संगठनों ने कहा कि एक मंत्री का ऐसे बयान देना जो कानून मंत्री भी होशोभा नहीं देता। एक ओर रिजिजू अपने समर्थन में किए गए ट्वीट को रिट्वीट करते रहे जबकि देश के 90 पूर्व नौकरशाहों ने खुली चिट्ठी लिखकर यह तर्क दिया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखने खातिर कोई समझौता नहीं हो सकता। उनके बयानों को संवैधानिक मयार्दाओं का उल्लंघन बताकर काफी बहस भी हुई। कहा गया कि सरकार की आलोचना न तो राष्ट्र के खिलाफ है और न ही कोई देशद्रोही गतिविधि है। नाराज वकीलों ने सार्वजनिक रूप से अपनी टिप्पणी वापस लेने और आगे ऐसी टिप्पणियों से बचने की सलाह भी दी। वहीं किरण रिजिजू ने यह भी कहा कि देश के बाहर और भीतर भारत विरोधी ताकतें एक ही भाषा का इस्तेमाल करती हैं कि लोकतंत्र खतरे में है। भारत में मानव अधिकारों का अस्तित्व नहीं है। भारत विरोधी समूह जो कहता है वैसी ही भाषा विपक्षी भी बोलते हैं। ये भारत की अच्छी छवि का विरोध है। इसके बाद उन्हें वकीलों ने याद दिलाया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा है कि सरकार से कठिन सवाल पूछे जाने चाहिए और आलोचनाएं भी होनी चाहिए जिससे सरकार सतर्क और उत्तरदायी बनी रहे।

यकीनन कानून मंत्री कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक कड़ी होते हैं और उन्हें पद,प्रतिष्ठा का ध्यान रखऐ सी कोई भी सार्वजनिक बात नहीं कहनी चाहिए जिससे लोकतंत्र और सरकार पर उंगली उठे। हालांकि उन्होंने माना कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच कोई टकराव जैसी बात नहीं हैं। लेकिन वहीं न्यायाधीशों की न्यायिक आदेशों के जरिए नियुक्ति को भी गलत ठहराया। रिजिजू इस बात की वकालत करते रहे कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की जिम्मेदारी सरकार के पास होनी चाहिए। एक मौके पर यहां तक कह दिया था कि जब कोई जज बनता है तो उसे चुनाव का सामना नहीं करना पड़ता है। जजों की कोई सार्वजनिक जांच भी नहीं होती। न्यायपालिका में आरक्षण का मुद्दा भी उठाया और सभी जजों और उसमें भी खासकर कॉलेजियम के सदस्यों को याद दिलाया कि पिछड़े समुदायों, महिलाओं और दूसरी श्रेणियों के सदस्यों को प्रतिनिधित्व देने के लिए नामों की सिफारिश करते समय इन्हें भी ध्यान में रखें क्योंकि न्यायपालिका में ऐसे तबके का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है।

ये सही है कि भारत में जब भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट की बातें होती है तो यह भरोसा रहता है कि अदालत जो कहती है सरकार सुनती ही है। लेकिन जब अदालतों पर ही पलटवार जैसी स्थिति बनेतो हैरानी होती है। रिजिजू की मुखरतासे तय माना जा रहा था कि सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी हो रहीं हैं। स्थिति उस समय थोड़ी और चर्चित तथा परेशानी वाली हो गई जब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कॉलेजियम प्रणाली के खिलाफ की गई टिप्पणी पर कार्रवाई की मांग की गई जिसमें उपराष्ट्रपति धनखड़ भी चचाओं मेंआए।

बीतेसोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दायर एक याचिका यह कहते हुए खारिज कीकि उसके पास इससे निपटने के लिए व्यापक दृष्टिकोण है। किरण रिजिजू न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को अस्पष्ट और पारदर्शी बताते रहेजबकि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने 1973 के केशवानंद भारती के ऐतिहासिक फैसले पर सवाल उठाए थे जिसने बुनियादी ढांचे का सिद्धांत दिया था। वह बुरी मिसाल कायम की जिससे यह कहना मुश्किल होगा कि हम एक लोकतांत्रिक देश हैं। उनका इशारा किसी प्राधिकरण द्वारा संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति पर सवाल उठाने को लेकर भी था। इसी पर सुप्रीम अदालत ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए न्यायपालिका और कॉलेजियम प्रणाली पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू की टिप्पणी पर राहत देते हुए दोनों के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन ने उच?चतम न?यायालय में बॉम्बे हाई कोर्ट के 9 फरवरी के उस आदेश को चुनौती खातिर एक याचिका दायर की थी जिसमें याचिका को इसलिए खारिज कर दिया गया था कि यह रिट लागू करने के लिए उपयुक्त मामला नहीं है।

माना जा रहा है किकई कारणों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किरण रिजिजू से नाराज थे। खासकर पूरे देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने पर प्रधानमंत्री की गंभीरता से वे बेफिक्र थे जबकि भाजपा शासित राज्यों में लागू हो रहा था। वहीं एक बड़ा कारण न्यायपालिका और कानून मंत्री के बीच का वो चर्चित सार्वजनिक टकराव भी रहा जिससे उनके न्यायपालिका पर दिए बयानों से सरकार नाराज थी। ऐसा लगता है कि किरण रिजिजू अपनी ही राजनीति का शिकार हो गए।

भला भारत जैसे देश में कोई सरकार क्यों चाहेगी कि वो बेवजह निशाना बने। सरकार नहीं चाहती थी कि न्यायपालिका के साथ टकराव सार्वजनिक रूप से दिखे। कर्नाटक चुनाव के चलते रिजिजू कोथोड़ा जीवन दान जरूर मिला था जो कि चुनाव निपटते असर कर गया। अब उन्हें भू-विज्ञान मंत्रालय मिला है जबकि कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी स्वतंत्र प्रभार के रूप में अर्जुन राम मेघवाल को सौंपी गई है। यह राजस्थान विधानसभा चुनाव के चलते भी अहम है।

कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते ही भारत का वर्चस्व दुनियाभर में तेजी से बढ़ने लगा है

भारत में उन्नत कृषि की नई इबारत लिखी जा रही है। आत्म-निर्भर भारत की बुनियाद बनाने में कृषि आधार होगी। कृषि के माध्यम से ही भारत दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने को तत्पर है। वैश्विक स्तर पर भारत की कृषि एक अनुकरणीय उपक्रम बन रही है, भारत कृषि नेतृत्वकर्ता एवं मार्गदर्शक की भूमिका में आ रही है। नौ वर्ष के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शासन में भारत के उत्कर्ष, नव उदय और उत्थान के अनेक स्वर्णिम अध्याय लिखे गये हैं, इन 9 वर्षों में देश के समग्र विकास और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक के कल्याण के लिए जो कदम उठाए गए हैं, वे स्तुत्य हैं। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हमारी 70 फीसदी ग्रामीण आबादी कृषि या उससे जुड़े अन्य कार्यों से अपनी आजीविका चलाती है। ऐसे में उन्नत खेती एवं किसानों के कल्याण के लिये सरकार ने व्यापक प्रयत्न किये हैं और इन प्रयत्नों की पारदर्शिता एवं निरन्तरता जरूरी है। कृषि और किसान कल्याण मंत्री के रूप में नरेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में भारतीय कृषि ने अनूठे नये अध्याय रचे हैं। वर्तमान सरकार ने कृषि को सर्वाधिक महत्व दिया है। अवसर और संसाधन तो पूर्ववर्ती सरकारों को भी पर्याप्त मिले थे, लेकिन परिणाम निराशाजनक ही रहे। कृषि कभी भी उनकी प्राथमिकता का क्षेत्र नहीं रहा। कृषि का प्राथमिकता के क्षेत्रों में आना सुदृढ़ एवं शक्तिशाली भारत का द्योतक है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) दुनिया का सबसे बड़ा व व्यापक अनुसंधान संस्थान है। संस्थान की अब तक की प्रगति प्रशंसनीय है। चाहे उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करना हो, उत्पादकता बढ़ानी हो या जलवायु अनुकूल फसलें उत्पन्न करने की चुनौती हो, हर क्षेत्र में हमारे कृषि वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राचीन काल में परंपरागत खेती के बाद कृषि के क्षेत्र की प्रगति में किसानों के परिश्रम के साथ ही वैज्ञानिकों का अनुसंधान मील का पत्थर साबित हुआ है। अब तक यह यात्रा संतोषजनक रही है, लेकिन देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए वर्ष 2047 तक अमृत काल में कृषि की चुनौतियों का समाधान, उन पर विजय प्राप्त करने का सरकार का लक्ष्य निश्चित ही सराहनीय है। विगत 9 वर्षों में कृषि क्षेत्र में किए गए भगीरथी प्रयासों के परिणाम अब स्वतः ही दृष्टिगोचर होने लगे हैं। जहां वर्ष 2013-14 में कृषि के लिए बजट में मात्र 21933 करोड़ रुपए

था, वहीं इस वर्ष 2023-24 के बजट में 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए की धनराशि का प्रावधान कृषि के लिए किया जाना सरकार की दूरगामी सोच को दशार्ता है। 2019 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का उद्देश्य हर किसान को प्रति वर्ष 6 हजार रुपए के रूप में ऐसा आर्थिक संबल दिया जा रहा है, जिससे न केवल किसान प्रतिकूल समय में कर्ज के जाल में फंसने से बच सके, बल्कि इस धनराशि से समय पर खाद-बीज की व्यवस्था भी कर सके। अन्य क्षेत्रों के साथ कृषि क्षेत्र में भारत का वर्चस्व दुनियाभर में बढ़ रहा है, इसके साथ ही दुनिया भर की अपेक्षाएं भी बढ़ रही हैं। 2047 तक नए भारत को गढ़ने का लक्ष्य है। नए भारत के लिए नया विज्ञान, अनुसंधान, नया कौशल तथा नया इनोवेशन चाहिए क्योंकि आने वाला कल नए भारत का है। इसके लिए नरेंद्र मोदी की सरकार नित-नए मंत्रों के आधार पर काम कर रही है।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास मोदी का मूलमंत्र है, किसी को न छोड़ते हुए लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते जाना। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री लाल बहादुर शास्त्री ने नारा दिया था-जय जवान, जय किसान। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसमें विज्ञान को जोड़ा और मोदी ने इसमें अनुसंधान भी जोड़ दिया है। भारत की कृषि के लिए यह मंत्र बन गया है- जय जवान जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान। कृषि उत्पादों की दृष्टि से उल्लेखनीय तरक्की हुई है, भारत ने 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात किया है, जो अब तक का सबसे अधिक है। प्राकृतिक खेती व जैविक खेती पर बल देने के कारण इस तरह के उत्पाद दुनिया में और भी ज्यादा लोकप्रिय होने वाले हैं। जिससे भविष्य में निर्यात और बढ़ेगा, इसके लिये जरूरी है कि कृषि उत्पादन की गुणवत्ता वैश्विक मानकों पर खरी उतरने वाली हो, इस पर विशेष ध्यान देना होगा। प्राकृतिक खेती पर सरकार का बल है। प्रधानमंत्री मोदी का आग्रह है कि हम प्राकृतिक खेती यानी गाय आधारित खेती करें। वेस्ट टू वैल्थ का काम हो। हमारे उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा भी अधिक रहे। निश्चित ही प्राकृतिक खेती अब भारत की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति के अंतर्गत 8 राज्यों आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश व तमिलनाडु में 4.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र कवर किया गया है। सरकार प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने की राह पर हैं और राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत देश के 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मोदी का यह मिशन मृदा, किसान, कृषि और आमजन सभी के लिए हितकारी साबित होगा, इससे किसानों की समृद्धि बढ़ेगी एवं कृषि का क्षेत्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगा।

संपूर्ण दुनिया की खान-पान से जुड़ी विसंगतियों और उनसे उपजती स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निदान की दिशा में भारत सरकार की पहल पर संयुक्त राष्ट्र का वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है। श्रीअन्न यानी मिलेट के उत्पादन, संवर्धन एवं विकास में भारत की अगुवाई बेहद महत्त्वपूर्ण कदम है। श्रीअन्न यानी मोटे अनाज को जनआंदोलन बनाने से जहां हमारी खाद्य विसंगतियों में सुधार आएगा, वहीं पोषण में भी सुधार होगा। साथ ही छोटे और मझोले किसानों के लिए भी श्री अन्न की खेती वरदान साबित होगी। कम पानी में होनी वाली ये फसलें बहुत उपयोगी साबित होंगी। मोदी ने ही मोटे अनाज की उपयोगिता को उजागर किया है, जिससे दुनियाभर में मोटे अनाज के लिये लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है, भारत के योग एवं अहिंसा की ही भांति मोटे अनाज से दुनिया में भारत एक नयी पहचान बनाने के लिये अग्रसर है।

समाधान दिवस पर डीएम, एसपी ने सुनी फरियाद

77 प्रार्थना-पत्र में से 11 शिकायती प्रार्थना-पत्र का मौके पर निस्तारण किया गया

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील बदलापुर सभागार में किया गया। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर मौजूद फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाये। इस मौके पर 77 फरियादियों द्वारा प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें मौके पर ही 11 शिकायती प्रार्थना-पत्र का निस्तारण किया गया एवं टीम बनाकर मौके पर भेजकर निस्तारित कराने का निर्देश दिया गया। समाधान दिवस के अवसर पर रामफेर यादव ग्राम मछलीगांव बदलापुर के द्वारा गांव के ही फूलचंद्र द्वारा ग्रामसभा के जमीन पर अवैध रूप से कब्जे का आरोप लगाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं चकबंदी की टीम को मौके पर जाकर निरीक्षण कर आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। नीरज सिंह पुत्र अलगू सिंह द्वारा रास्ते के विवाद के संबंध में जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी ने पीडी जयकेस त्रिपाठी को निर्देश दिया कि मौके पर जाकर जांच कर उचित कार्यवाही करें। जमीन विवाद संबंधित शिकायती प्रकरण को पुलिस एवं राजस्व की टीम बनाकर मौके पर जाकर नियमानुसार निस्तारित करने का निर्देश दिया। समाधान दिवस में जमीन, शौचालय, राशन, आवास सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई जिसपर संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने का निर्देश दिया साथ ही यह भी निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण ऐसा किया जाए जिससे शिकायतकर्ता को दुबारा शिकायत न करना पड़े। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, जिला विकास अधिकारी बी०बी० सिंह, पी०डी० जयकेश त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी बदलापुर ऋषभ पुंडीर, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व गृह राज्य मंत्री ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को दी बधाई

प्रखर जौनपुर। नगरपालिका परिषद चुनाव में मनोरमा मौर्या नें जीत हासिल कर इतिहास रच 23 वर्षों के बाद कमल खिलाया है। उक्त बातें महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मन्त्री व बीजेपी नेता कृपाशंकर सिंह नें आज नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष मनोरमा मौर्या को उनके आवास पर विजयोपरांत पहुँचकर बधाई देते हुए कही। श्री सिंह नें आगे कहा कि स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री व सदर विधायक गिरीश यादव, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह समेत तमाम पदाधिकारी व जी जान लगा देने वाले कार्यकताओं की अथक मेहनत के बूते 23 वर्षों के लंबे समय के बाद मनोरमा मौर्या नें पार्टी की उम्मीद को परवान चढ़ाया है। बीजेपी नेता नें कहा जौनपुर की जनता नें पीएम मोदी और सीएम योगी के द्वारा बगैर भेदभाव के किये जा रहे विकास कार्यों पर भरोसा करते हुए जौनपुर नपा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाई है, जिसके लिए वह अभिनन्दन की पात्र है। इसके पूर्व गृहराज्यमंत्री के अध्यक्ष के आवास पर पहुँचने पर चेयरपर्सन मनोरमा मौर्या उनके पति व बीजेपी से पूर्व सभासद रामसूरत मौर्य नें स्वागत किया। पूर्व गृहराज्य मन्त्री के साथ यूपी बीजेपी के मीडिया पैनलिस्ट ओमप्रकाश सिंह, शशि सिंह, राजू गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद ने किया ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन

प्रखर पवारा (जौनपुर)। क्षेत्र के सरायबिका बाजार मे शनिवार को राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद ने कहा कि निश्चित तौर पर आज लोग बैंकों से अधिक से अधिक जुड़ रहे हैं। बैंकों में भी काम की अधिकता बढ़ गई है जिससे बैंक में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी भी व्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से ग्राहकों को सुलभ सेवा मिल सकेगी। शाखा प्रबंधक मुंगराबादशाहपुर कहा ने कि निश्चित तौर पर ग्राहक सेवा केंद्र के खुलने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी काफी सहूलियत होगी। इस मौके पर शाखा प्रबंधक निधी पटेल

मुंगराबादशाहपुर दिनेश मिश्रा F.I मैनेजर RBO.जौनपुर आदित्य कुमार (RBO जौनपुर आफताब आलम (डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर संजीवनी) SBi केंद्र संचालक राज पटेल पुत्र रमेश पटेल आदि मौजूद रहें।

9 करोड़ रुपए की कार्य योजना की मंजूरी

बिल्थरारोड (बलिया)। बेल्थरा रोड तहसील के क्षेत्र पंचायत सीरय के सभागार डवाकरा हाल मैं शुक्रवार को एक बैठक संपन्न हुआ क्षेत्र पंचायत की बैठक में ब्लाक प्रमुख आलोक कुमार सिंह ने खंड विकास अधिकारी मधुछंदा सिंह की उपस्थिति में 9 करोड़ रुपए की कार्य योजना की मंजूरी दी प्रमुख ने कहा कि पिछले 2 साल से जनहित में जुड़े अनेकों महत्वकांक्षी योजनाओं को अमली जामा पहनाया गया है । और अब विकास कार्यों को तेज किया गया है आज अपने ब्लॉक के डवाकरा हाल मैं शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख आलोक कुमार सिंह ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ वर्ष 2023 से 24 की बैठक में हिस्सा लिया।

प्रधामंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों को दिलाएं योजना का लाभ- एसडीएम

प्रखर जौनपुर। उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा की अध्यक्षता में ब्लॉक सभागार में बैठक हुई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में बैंकों के द्वारा इन वैलिड दिखाए जाने तथा मिसमैच नामों को सही कर वंचित किसानों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिया गया। बैठक में एसडीम नेहा मिश्रा ने बताया कि तहसील में बहुत से किसानों का इन वैलिड व मिस मैच नाम होने के कारण योजना का लाभ नही मिल पा रहा है। जिसमें किसान इन वैलिड एवं किसान मिस मैच में सैकड़ो की संख्या में शामिल है कहा कि किसानो को छोटी-छोटी गलतियों के कारण योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होने तहसील कर्मियों को निर्देशित करते हुए सूची को लेकर संबन्धित बैंको में अपने कंप्यूटर आपरेटर को भेजकर नाम सही कराने का निर्देश दिया।

उन्होने कहा कि आधार कार्ड पर हिंदी और अंग्रेजी में अंकित नाम स्पेलिंग को ही बैंक में किसानो की ओर से खोले गए खाता के नाम से सही कराए ताकि उन्हें योजना का लाभ दिलाया जा सके। पात्र कृषक के सामने पिता का नाम व उनका मोबाइल नंबर अवश्य लिखे जाए। बैठक में सभी लेखपाल, सचिव, पंचायत सहायक, कृषि विभाग और ब्लॉक के कर्मी मौजूद रहे।

डॉ. मनोज मिश्र बने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय कार्यपरिषद के सदस्य

प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका साइंस रिपोर्टर में शोध हेतु प्रशंसित

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य ने पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष डॉ.मनोज मिश्र को विश्वविद्यालय कार्यपरिषद का सदस्य नामित किया है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने पत्र जारी करते हुए मई 2024 तक का उनका कार्यकाल निर्धारित किया है।

विदित है कि डॉ.मिश्र का 25 वर्षों से अधिक का शिक्षण तथा शोध कार्य का अनुभव है। उन्हें पचास से अधिक संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं में शोध-पत्र प्रस्तुतीकरण तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित गया है . विज्ञान जागरूकता पर किए गए शोध को प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका साइंस रिपोर्टर में संदर्भित किया गया है। आपकी अनेक वार्ताएं विविध विषयों पर आकाशवाणी, वाराणसी केंद्र से प्रसारित हुई हैं. उन्होंने विज्ञान जागरूकता पर एन.सी.एस.टी.सी, डी.एस.टी. भारत सरकार,नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त अनेक परियोजनाओं को पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों में

सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। वह उत्तर- प्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त सेंटर ऑफ एक्सीलेंस -अनुवाद एवं कल्चरल क्लब के समन्वयक तथा विज्ञान प्रसार,भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रकाशन विभाग द्वारा हिंदी में अनुवादित पुस्तकों के सम्पादक हैं। पिछले दो दशकों से विज्ञान संचार,लोक संचार, लोक संगीत एवं लोक संस्कृति के संरक्षण के क्षेत्र में सक्रियता से अपना उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।आपके शताधिक लेख,विचार एवं रिपोर्ट समाचार पत्रों तथा दर्जनों शोध पत्र प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं. साथ -साथ ही आपकी चार पुस्तकें भी प्रकाशित हैं -आपको प्रादेशिक, राष्ट्रीय- अन्तर्राष्ट्रीय अनेक मंचों पर कुल 18 प्रतिष्ठित सम्मान- पुरस्कार मिलें हैं जिसमें हाल ही में विज्ञान संचार के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि पुरस्कार (2021) एवं उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार (2018) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अभी हाल ही में महामहिम कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के कर कमलों द्वारा आप द्वारा संपादित पुस्तक 'कल्कि की कथाएं' का विमोचन किया गया है।

बिल्थरारोड रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित कर प्रदान की जाएगी यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं

बिल्थरा रोड बलिया। वाराणसी मंडल के बिल्थरा रोड रेलवे स्टेशन को भी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चयनित किया गया है इसके तहत बिल्थरा रोड रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित कर यात्रियों को अत्याधुनिक की यात्री सुविधाएं प्रदान की जाएगी अमृत भारत योजना के तहत चयनित वाराणसी मंडल के सभी 15 स्टेशनों को शहर की कला एवं संस्कृति को समाहित करते हुए स्टेशन के स्वरूप को विकसित किया जाएगा साथ ही पार्किंग एप्रोच प्रकाश व्यवस्था और साइनेज में भी वांछित सुधार किया जाएगा। वाहनों की पार्किंग का इंतजाम किया जाएगा बिल्थरा रोड रेलवे स्टेशन को अमृत योजना के अंतर्गत जीरो 7.83 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित कर अत्याधुनिक बनाया जाएगा। यह जानकारी जनसंपर्क रेलवे अधिकारी अशोक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इसमें 30 लाख रुपए के लागत से बेल्थरा रोड रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया संपर्क मार्ग पानी की निकासी के साथ पैदल आने जाने वाले यात्रियों के लिए पाथवे का निर्माण कराया जायेगा। इसके अलावा 50 लाख रुपए से नई दो पहिया तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन के लिए पार्किंग तथा शौचालय का निर्माण किया जाएगा। इसके तहत 15 लाख रुपए की लागत से पोर्च का निर्माण 65 लाख रुपए के लागत से (फसाड) मुख्य स्टेशन भवन के स्वरूप का सुंदरीकरण कर उसे और अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी ने बताया कि छप्पन लाख की लागत से प्लेटफार्म पर शेड विस्तार सरफेस में सुधार प्लेटफॉर्म पर लो कास्ट पीपी शेड का कार्य 19 लाख रुपए की लागत से यात्री प्रतीक्षालय में सुधार कर आकर्षित एवं सुविधाजनक बनाया जाएगा बताया कि 5 लाख से वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल का न्यू मार्केट साथ 1.50 करोड़ रुपए की लागत से अन्य सौदर्यीकरण के कार्य कराएं जायेगा।

पूर्वांचल में जेठ की दोपहरी को झेलना मुश्किल तापमान पंहुचा 42 डिग्री

शादियों के मौसम में आसमान से बरस रहीं आग, लोग हुए बेहाल, लू और ताप से बचाव के लिए जिला प्रशासन ने जारी किया निर्देश

प्रखर भदोही। प्रदेश और पूरे पूर्वांचल में जेठ की दुपहरी जुल्म ढा रहीं है। आसमान से आग बरस रही है। दोपहरी में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। शादियों का मौसम भी अपने उफान पर है। अगर आप संभले नहीं तो जानलेवा लू की चपेट में आ सकते हैं। शासन की तरफ से भी गर्मी और लू से बचाव के निर्देश जारी किया गया है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने लोगों से धूप और गर्मी से बचने की बात कहीं है।

सिर पर बांधे गमछा पानी भी साथ रखें- शादी-ब्याह और मांगलिक कार्यक्रमों में अगर आप शरीक होने के लिए निकल रहे हैं तो इन बातों का ख्याल जरूर रखें। अपने पास एक पानी की बोतल रखें। हेलमेट, टोपी का प्रयोग करें। प्यास ना लगे तब भी पानी का उपयोग करते रहें। धूप में लंबी यात्रा कर रहे हैं तो बीच-बीच में थोड़ा आराम कर लें। ओआरएस का घोल, छाछ, दही और विटामिन सी का अधिक प्रयोग करें। नींबू पानी और चीनी के शरबत का भी उपयोग लाभदायी है। लू से बचाव के लिए परंपरागत तरीकों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

भोजन बानते खुली रखें रसोई की खिड़की- महिलाएं खाना बनाते समय किचन की बालकनी यों को खोल कर रखे हैं। रसोई में पर्याप्त हवा का प्रवेश हो रहा है कि नहीं इसका भरपूर ख्याल रखें। रसोई में एग्जास्ट फैन का भी उपयोग कर सकते हैं। रात में जिस कमरे में सो रहे हों उसकी खिड़की और दरवाजे खुला रखें। कमरे में हवा आती रहे। कमरे को पूरी तरह बंद ना करें। छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं का विशेष रूप से ध्यान दें। कमरों में अगर लू का प्रवेश हो रहा है तो गत्ते लगाएं।

भोजन ताजा और सुपाच्य लें- भोजन हल्का और सुपाच्य लें। अधिक गरिष्ठ और तेल मसाले

के भोजन से बचें। पानी का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। रात में भी गर्मी की वजह से आपका गला सूखता है पानी, पीने की आदत बनाएं। भारी काम के दौरान थोड़ा-थोड़ा आराम करें। गर्मी अधिक पड़ रही है अगर आवश्यक न हो तो व्यायाम न करें। शुगर और हार्ट-डिजीज के मरीज अधिक मेहनत से बचे। बाजार में बिकने वाले खाने-पीने के खुले पदार्थों से परहेज करें। अगर आवश्यक है तो साफ-सुथरे दुकान से ही खाद्य पदार्थ लें। हरी सब्जियों का भोजन में अधिक से अधिक प्रयोग करें। बाकि अपने चिकित्सक से परामर्श लेते रहना आवश्यक।

सूती कपड़े का करें प्रयोग, चुने रंगे छत- घर की छत को चुने या सफेद रंग से पुताई कराना लाभदायक है। इस दौरान हल्के और सूती कपड़ों का ही प्रयोग करें। धूप में निकलने से बच्चे हैं और मौसम की भविष्यवाणी पर ध्यान रखें। मवेशियों को छाया में बांधे। अत्यधिक प्रोटीन युक्त बासी खाने का उपयोग ना करें। धूप में खड़े वाहन में बच्चों बना बैठाएं। चाय काफी शराब का सेवन से परहेज करें।

जानिए क्या है लू का लक्षण- अगर आप लू की चपेट में आ जाते हैं तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें और इलाज कराएं। लू लगने के बाद आपके शरीर में ऐंठन होगी। शरीर का तापमान बढ़ेगा उल्टी शुरू होगी। कमजोरी और सिर दर्द होगा। लू लगने के बाद छाया में रहें और ठंडे पानी से सूती कपड़े भिगोकर अपने शरीर को पोंछे। अधिक दिक्कत होने पर तत्काल चिकित्सक को दिखाएं।

खान-पान का रखें विशेष ख़्याल : डॉ केबी मिश्रा- चिकित्सक डॉक्टर केबी मिश्रा के अनुसार गर्मी के मौसम में तमाम संक्रमित बीमारियां फैलती। आध्यात्मिक धूप में निकलने साथ लू और सनबर्न का आप शिकार हो सकते हैं। आपको चमड़ी का संक्रमण हो सकता है। शादी-विवाह में खानपान का विशेष ख्याल ना रखने पर आप दायरिया के शिकार हो सकते हैं। भोजन साफ, स्वच्छ और ताजा खाएं। मौसमी फल, सब्जी और सलाद का उपयोग करें। भोजन में हरी सब्जी का अधिक उपयोग करें। धूप में से निकलने से बचे पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। रात में मच्छरदानी का प्रयोग करें। लू लगने के दौरान आप डॉक्टर से संपर्क करें। मौसमी बीमारियों से बचने के लिए सबसे बेहतर है कि आप खुद का ख्याल रखें और अपने स्वास्थ्य की चिंता करे।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी के विशेष सफाई अभियान की नगर पंचायत मछलीशहर उड़ा रहा धज्जियां

प्रखर जौनपुर। मछली शहर के नगर पंचायत द्वारा विशेष सफाई अभियान की उड़ाई जा रही धज्जियां। जैसा कि ज्ञात हो वर्तमान समय में जनपद के सभी 12 नगर निकायों के 204 वार्डों में जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार 16 मई से सात दिवसीय विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है जबकि नगर पंचायत मछली शहर में महतवाना मोहल्ला, कजियाना मोहल्ला और तहसील के सामने गंदगी का अंबार लगा हुआ है। नगर पंचायत द्वारा केवल चित्रों के माध्यम से सफाई अभियान का ढिंढोरा पीटा जा रहा है जबकि कागजी हकीकत यह है कि नगर के बहुत से वार्ड में नालियों का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है और तहसील के सामने कई महीनों से जलजमाव लगा हुआ है और उसमें बदबू आ रही है जिसके कारण राहगीरों और दुकानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर 109 शिकायतों में 5 का निस्तारण

प्रखर मछलीशहर जौनपुर। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ।जिसमें विभिन्न विभागों से सम्बंधित कुल शिकायतें 109 शिकायतें आईं।जिसमें पांच शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया।शेष शिकायतों को निस्तारण के लिये सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया गया।थलोई के नन्हे लाल ने भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने,बसेरवां के सुभाष ने तालाब पर अतिक्रमण,दान के ओम प्रकाश ने अवरोध रोकने,कसेरवां के सुशील ने बंजर पर कब्जा रोकने की शिकायत किया तो तहसीलदार व राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिया गया।सरांय की सोनी ने राशन कार्ड बनवाने की शिकायत किया तो आपूर्ति विभाग को निर्देशित किया गया।भूमि सम्बंधी शिकायतों की अधिकता रही।इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह,क्षेत्राधिकारी अतर सिंह,तहसीलदार मूसा राम सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सुजानगंज और बक्शा थानेदार पर गिरी गाज, लाइन हाजिर

खेतासराय से हटाकर बक्सा एसओ बनाये गए यजुर्वेन्द्र सिंह

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने दो थानेदार को लाइन हाजिर कर दिया। काफी दिनों से खेतासराय में जमे एसओ यजुर्वेन्द्र सिंह को हटाकर उन्हें बक्शा थानाध्यक्ष बनाया है। वही ट्रैफिक इंचार्ज सय्यद हुसैन मुन्तजर को सुजानगंज का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। जनपद में अलग अलग स्थानों पर कई आपराधिक घटनाओं के बाद से ही पुलिस पर गाज गिरनी तय मानी जा रही थी।

शनिवार को पुलिस प्रशासन ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि सुसानगंज प्रभारी निरीक्षक घनश्याम शुक्ला व बक्सा थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक त्रिवेणी सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है। सूत्रों की मानी जाए तो खेतासराय में सत्तारूढ़ दल बीजेपी कार्यकताओं से सही समन्वय अन्य शिकायतो पर एसओ यजुर्वेन्द्र सिंह का तबादला कर दिया गया है।

नव निर्वाचित सभासदों को माला पहना कर किया स्वागत

बलिया। नगर पंचायत से नव निर्वाचित अध्यक्ष इन्दु देवी ने जजला स्थित अपने आवास पर नव निर्वाचित सभासदों को माला पहना कर स्वागत कर किया। इस मौके पर सभी सभासदों ने नगर के विकास के लिए अपना सुझाव रखा। जिस पर सभी के सहमति से नगर के विकास का खाका का तैयार किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष इन्दु देवी ने कहा की नगर के सर्वांगीण विकास में आप सब आपसी मतभेद भेद भाव भुलाकर मिलजुल कर परिवार की भांति नगर के विकास को गति देने में सहयोग करे जिससे हम नगर पंचायत को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा दिला सके। सभासदों ने भी विकास कार्यों में हर सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संरक्षक उमाशंकर जी ने कहा कि नगर अध्यक्ष का कर्तव्य सभी नगर वासियों को सुविधाएं मुहैया कराकर उनके समस्याओं का समाधान करना ही मुख्य कार्य होता हैं। आप सभी सभासदों के विकास कार्यो के साथ नगर की जनता के प्रति अध्यक्ष जी समर्पित रहेगी। इस मौके पर सभासद संजय सिंह, उर्मिला देवी, राजेश पाण्डेय, गुड़िया सोनी, अंकिता सिंह, लालबहादुर सिंह, कुंज बिहारी, चन्द्रभान, कृष्ण कुमार कुशवाहा, मुंशी यादव, रियाजुद्दीन गुड्डू, पप्पू कुरैशी आदि लोग उपस्थित रहें। संचालन आशुतोष पाण्डेय ने किया। सबका आभार ई.सुशील कुमार ने व्यक्त किया।

लड़की से दोस्ती को लेकर 2 दोस्तों ने तीसरे दोस्त की बेरहमी से हत्या की

बरेली। यहां दो नाबालिग लड़कों ने मिलकर एक लड़की से दोस्ती को लेकर रंजिश के बाद अपने 14 वर्षीय दोस्त की बेरहमी से हत्या कर दी। लड़के का शव जंगल में मिला। उसके शरीर पर चाकुओं के 10 वार किए गए थे। मीडिया के मुताबिक हत्या बरेली के आंवला इलाके के एक गांव में हुई। लड़का कक्षा 8 का छात्र था। लड़की के दो दोस्त, जो स्कूल के साथी हैं, ने पहले उससे दोस्ती की थी। 2 आरोपियों में से 1 ने हाल ही में 10वीं की परीक्षा पास की है। 15 मई को लड़का अपने दोस्तों से मिलने घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा। अगली सुबह उसका शव जंगल में मिला। पोस्टमॉर्टम में गला काटने सहित वार के घाव सामने आए जो किसी नुकीली चीज से किए गए थे।

मस्तिष्क कैंसर

में मददगार हो सकती है नई खोज

तिरुवनंतपुरम (भाषा)। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के सैन फ्रांसिस्को मेडिकल सेंटर के वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि कैंसर कोशिकाएं मस्तिष्क की स्वस्थ कोशिकाओं के संपर्क में आकर अति सक्रिय हो जाती है तथा इससे मरीज को तेजी से संज्ञानात्मक नुकसान होता है। कभी कभी तो उसकी मौत भी हो जाती है। इस अध्ययन से कैंसरयुक्त ब्रेन ट्यूमर के इलाज में बड़ा बदलाव आ सकता है। भारतीय वैज्ञानिक सरिता कृष्णा की अगुवाई वाले दल ने यह भी पता लगाया कि मस्तिष्क से जुड़े विकार के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा ट्यूमर कोशिकाओं की अति सक्रियता को कम करने और उनकी वृद्धि को रोकने में भी प्रभावी है।

यह अध्ययन विज्ञान पत्रिका 'नेचर' के ताजा अंक में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि मस्तिष्क की स्वस्थ कोशिकाओं और कैंसरयुक्त कोशिकाओं के बीच संपर्क को ट्यूमर की वृद्धि रोकने तथा उसे कम करने के लिए बदला जा सकता है। अध्ययन में कहा गया है कि ये नतीजे ग्लियोब्लास्टोमा से पीड़ित मरीजों के लिए अधिक फायदेमंद है जिसे वयस्कों में होने वाले ब्रेन कैंसर का सबसे घातक प्रकार माना जाता है।केरल के तिरुवनंतपुरम की रहने वाली कृष्णा ने कहा कि ये अप्रत्याशित नतीजे दिखाते हैं कि जानलेवा कैंसर कोशिकाएं मस्तिष्क के आसपास के ऊतकों की संरचना में ऐसा बदलाव कर सकती हैं जिससे वे अति सक्रिय हो जाते हैं। इससे मरीज को संज्ञानात्मक नुकसान होता है और उसका जीवनकाल भी घट जाता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह खोज ग्लियोब्लास्टोमा जैसी बहुत ही घातक बीमारी के लिए इलाज की प्रभावी पद्धति खोजने में मददगार हो सकती है।

- इस अध्ययन से कैंसरयुक्त ब्रेन ट्यूमर के इलाज में बड़ा बदलाव आ सकता है
- वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि मस्तिष्क की स्वस्थ कोशिकाओं और कैंसरयुक्त कोशिकाओं के बीच संपर्क को ट्यूमर की वृद्धि रोकने तथा उसे कम करने के लिए बदला जा सकता है
- अध्ययन में कहा गया है कि ये नतीजे ग्लियोब्लास्टोमा से पीड़ित मरीजों के लिए अधिक फायदेमंद है जिसे वयस्कों में होने वाले ब्रेन कैंसर का सबसे घातक प्रकार माना जाता है

दुनिया की आधी से अधिक बड़ी झीलों में हो रही पानी की कमी

नई दिल्ली (भाषा)। एक नए अध्ययन से पता चला है कि दुनिया में 50 प्रतिशत से अधिक बड़ी झीलों में पानी की कमी हो रही है और इसकी प्रमुख वजहें में गर्म जलवायु और मानव उपभोग प्रमुख हैं। यह अध्ययन 'साइंस' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के फांगफैंग याओ हैं। याओ ने कहा कि यह अध्ययन उपग्रहों और 'मॉडल' की एक श्रृंखला के आधार पर दुनिया भर की झीलों में जल भंडारण में परिवर्तन के रुझानों पर पहला व्यापक आकलन है।

उन्होंने कहा कि झीलों के पानी के भंडारण की प्रवृति और उनके कारणों पर नजर रखने का यह नया तरीका जल प्रबंधकों और समुदायों को इस बात से अवगत करा सकता है कि किस प्रकार पानी के महत्वपूर्ण स्रोतों और अहम क्षेत्रीय पारिस्थितिकी तंत्रों की सुरक्षा बेहतर तरीके से की जाए। कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के बीच अरल सागर के सूखने जैसे पर्यावरणीय संकट के सामने आने के बाद याओ और उनके सहयोगियों ने यह अध्ययन किया। उनके सहयोगियों में अमेरिका के कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय और कंसास विश्वविद्यालय के अलावा फ्रांस और सऊदी अरब के अध्ययनकर्ता भी शामिल थे। अध्ययन दल ने दुनिया की करीब 2000 सबसे बड़ी झीलों तथा जलाशयों के जलस्तर में हुए बदलाव पर गौर किया। पृथ्वी पर कुल झील जल भंडारण का 95 प्रतिशत हिस्सा इन 2000 जलाशयों में है। अध्ययन दल ने 1992 से 2020 के बीच उपग्रहों द्वारा ली गयी करीब ढ़ाई लाख तस्वीरों का उपयोग किया और इस तरीके से दल ने सबसे बड़ी झीलों में से 1,972 जलाशयों के क्षेत्र का सर्वेक्षण किया। याओ ने कहा कि इस अध्ययन का निष्कर्ष चौंकाने वाला था और विश्व स्तर पर 53 प्रतिशत झीलों के जल भंडारण में कमी दर्ज की गई।

- इस अध्ययन का निष्कर्ष चौंकाने वाला था और विश्व स्तर पर 53 प्रतिशत झीलों के जल भंडारण में कमी दर्ज की गई
- अध्ययन दल ने 1992 से 2020 के बीच उपग्रहों द्वारा ली गयी करीब ढ़ाई लाख तस्वीरों का उपयोग किया और इस तरीके से दल ने सबसे बड़ी झीलों में से 1,972 जलाशयों के क्षेत्र का सर्वेक्षण किया

आरिफ के सारस

को जंगल में रहने के लिए किया जा रहा प्रशिक्षित

कानपुर (आईएएनएस)। अमेठी के मोहम्मद आरिफ के साथ एक साल से ज्यादा समय तक रहने वाली सारस को अब कानपुर चिड़ियाघर में जंगल के तौर-तरीकों से तालमेल बिठाना सिखाया जा रहा है। चिड़ियाघर के अधिकारियों के मुताबिक, सारस पके हुए भोजन से धीरे-धीरे कच्चे भोजन की ओर शिफ्ट हो रहा है। अब इसे जंगल में पुनर्वास के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। चिड़ियाघर के निदेशक कृष्ण कुमार सिंह ने कहा, सारस को मैगी, दाल, चावल और खिचड़ी जैसे पके हुए भोजन खाने की जगह धीरे-धीरे जंगली पक्षियों के लिए अधिक उपयुक्त कच्चा आहार खाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

सिंह ने कहा कि वे अब तक सारस को उपयुक्त आहार के अनुकूल बनाने में 80 प्रतिशत सफलता प्राप्त कर चुके हैं। अब वह कच्चे अनाज, कीड़े, क्रस्टेशियन, पालक, जलकुंभी आदि खाने लगा है। 25 मार्च को अपने आगमन के बाद से, सारस एक बाड़े में रह रहा है। चिड़ियाघर के निदेशक ने कहा, पक्षी के पूरी तरह से ठीक हो जाने के बाद, उसे जंगल भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा, पक्षी ने आरिफ के साथ एक साल बिताया, इसलिए उसे जंगल में पुनर्वासित करने में अधिक समय लगेगा। सारस अभी भी वन्य जीवन के बजाय मानवों के साथ रहने को पसंद कर रहा है। आरिफ के साथ रहने के दौरान सारस उसके साथ खेतों तक जाता था और परिवार के सदस्य की तरह रहता था।

अजीब लेकिन सच है, केरल के हत्यारे हाथी अरीकोम्बन के फैन भी कम नहीं

तिरुवनंतपुरम (आईएएनएस)। हैरानी की बात है कि केरल के दुष्ट हाथी अरीकोम्बन जो 10 से ज्यादा लोगों को कुचल चुका है और चावल चुराने के लिए कई राशन दुकानों को तोड़ चुका है, इडुक्की जिले में उसके काफी फैन हैं। हिल स्टेशन के अन्नकारा में ऑटो चालकों के एक समूह ने अरीकोम्बन फैन्स एसोसिएशन का गठन किया है। हाथी को यहीं पर बेहोश करके इंसानों की बस्ती से दूर जंगल में छोड़ा गया था। इसके लिए वन विभाग के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस और स्थानीय लोगों को लंबी मशक्कत करनी पड़ी थी। अनक्करा में शुक्रवार को अरीकोम्बन फैन्स एसोसिएशन के नाम से बड़े-बड़े फ्लेक्स बोर्ड लगे पाए गए।

प्रशंसक कर रहे हैं वापसी का इंतजार

कुछ ऑटो रिक्शा चालकों ने कहा, जब अरीकोम्बन को पकड़ा गया, हमने पूरा ऑपरेशन देखा था। जब ऑपरेशन चल रहा था, तो हाथी के कुछ बच्चे इसे देख रहे थे। हमें दुःख है कि यहां रहने वाले अरीकोम्बन को जबरदस्ती हटा दिया गया। हमें वास्तव में दुःख हुआ और हमने यह नया संगठन बनाने का फैसला किया। एक अन्य भावुक अरीकोम्बन प्रशंसक, जो एक ऑटो रिक्शा चालक भी है, ने कहा कि दूसरे प्रयास में हाथी को पकड़ लिया गया। उसने कहा, हम जानते हैं कि इस ऑपरेशन पर बहुत पैसा खर्च किया गया है। अगर अधिकारियों ने इसका एक चौथाई इस्तेमाल किया होता, तो उसे यहां सुरक्षित रूप से बसाया जा सकता था, जो कि उसका सबसे पसंदीदा स्थान था। हम जो कह रहे हैं वह महज कुछ लोगों की नहीं, बहुमत की राय है। अरीकोम्बन का नामकरण इसलिए किया गया क्योंकि उसे चावल पसंद था (मलयालम में अरी का अर्थ चावल और कोम्बन का अर्थ टस्कर होता है) और उसका लक्ष्य ज्यादातर चावल की दुकानें और घर थे जहां चावल जमा किया जाता था। ताजा खबर के मुताबिक, अरीकोम्बन जिसे पिछले महीने कब्जे में लेने के बाद रेडियो कॉलर लगाया गया है, अब वह उस इलाके के आसपास है, जहां से उसे पिछले महीने पकड़ा गया था और उसके प्रशंसक शायद उसकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

दो युवाओं ने उगाया जापान का आम मियाजाकी

रांची (आईएएनएस)। साइबर क्राइम के लिए बदनाम जामताड़ा का नाम तो आपने सुना ही होगा। पर इस बार यहां से दिल खुश करने वाली खबर है। यहां के दो युवाओं अरिंदम चक्रवर्ती और अनिमेष चक्रवर्ती ने मियाजाकी नस्ल की आम की खेती में सफलता हासिल की है। यह दुर्लभ किस्म का आम अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2 लाख 70 हजार किलो की दर तक बिकता है। वैसे सामान्यतः भारतीय बाजार में यह आम पंद्रह से बीस हजार रुपए प्रति किलो की दर से बिकता है।

2.70 लाख रुपए प्रति किलो तक बिकता है यह आम

इन दोनों ने अपने बाग में इस आम के सात पेड़ उगाए हैं। इनमें से तीन पेड़ों पर फल लग भी चुके हैं। दोनों भाई हैं। झारखंड के विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने ट्वीट कर कहा है, यह गर्व की बात है कि मेरे क्षेत्र अंतर्गत अंबा गांव के निवासी अरिंदम चक्रवर्ती और अनिमेष चक्रवर्ती ने विश्व के सबसे महंगे आम मियाजाकी को उगाने में सफलता हासिल की है। इसी तरह मेहनत और पसीने से ही नाला क्षेत्र की विकास की गाथा लिखी जा सकती है। मियाजाकी आम उगानेवाले अरिंदम ने बताया कि उन्हें बागवानी का शुरू से ही शौक है।

कई देशों में उगाए जाने वाले महंगे आमों का कलेक्शन

उनके पास 2000 पौधों का बागान है। उनके पास सिर्फ मियाजाकी ही नहीं, बल्कि विश्व के कई देशों में उगाए जाने वाले महंगे आमों का कलेक्शन है। उनके बाग में अल्फांसो, आईवेरी, किंग ऑफ चकापात, इंडोनेशिया का हारून मनीप, बनाना मैंगो, पोर्टेल मैंगो, हनीड्यू जैसे विदेशी और देसी वैरायटी के 45 किस्म के आमों के पेड़ लगे हुए हैं।

इतने सारे उपनाम हैं, सुनकर खुश हूं : निक जोनास

नई दिल्ली (भाषा)। अमेरिकी गायक निक जोनास ने कहा कि अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा से विवाह के बाद भारत में बहुत से लोग उन्हें 'जीजू' बुलाते हैं और कई उपनाम सुनकर उन्हें खुशी होती है। निक हाल ही में बीबीसी के एक कार्यक्रम में शमिल हुए जहां प्रस्तोता ने उनसे 'जीजू' पुकारे जाने पर प्रश्न किया। इस पर उन्होंने कहा, बहुत से लोग ऐसा कहते हैं। हम नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केन्द्र (एनएमएसीसी) के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए कुछ दिन पहले मुंबई में थे। रेड कार्पेट में सभी फोटोग्राफर मुझे 'जीजू' बुला रहे थे।

बीबीसी के शो के दौरान प्रस्तोता ने एक ऑडियो क्लिप चलाया जिसमें एनएमएसीसी के कार्यक्रम में एक फोटोग्राफर उन्हें 'निकुआ' कह रहा था, इस पर निक ने कहा हां मैंने सुना था। निक ने कहा, मैं भारत से प्यार करता हूं।

ऐश्वर्या ने कान फिल्मोत्सव में बिखेरी चमक

नई दिल्ली (भाषा)। बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस साल कान फिल्मोत्सव में सिल्वर रंग का हुड वाला गाउन पहनकर रेड कार्पेट की शोभा बढ़ाई। ऐश्वर्या हॉलीवुड अभिनेता हैरिसन फोर्ड की 'इंडियाना जोन्स' सीरीज की पांचवीं फिल्म 'द डायल ऑफ डेस्टिनी' के प्रीमियर में शामिल होने के लिए बृहस्पतिवार को कान के रेड कॉर्पेट पर 'सोफी कूचयर' का डिजाइन किया खूबसूरत चमकीला गाउन पहनकर उतरीं। उनकी इस पोशाक में हल्के एल्यूमिनियम का इस्तेमाल किया गया था और इसका एक हिस्सा काले रंग का था। ऐश्वर्या हुडी को संभालते हुए रेड कॉर्पेट पर चलती नजर आईं। बाद में उन्होंने तस्वीरें भी खिंचवाईं। सोफी के लेबल के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज के अनुसार, ऐश्वर्या का यह परिधान 'कान कैप्सूल कलेक्शन' का हिस्सा है। ऐश्वर्या पिछले कई साल से कान में हिस्सा ले रही हैं।

जाह्नवी

ने रखा द लिटिल मरमेड की दुनिया में कदम

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपकमिंग फिल्म द लिटिल मरमेड के नए प्रमोशनल एसेट के लिए जलपरी बनी हैं। एक्ट्रेस ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में, उन्हें राजकुमारी एरियल की जादुई दुनिया में कदम रखते हुए देखा जा सकता है और वह मछली जल की रानी है कहती दिख रही हैं। रॉब मार्शल द्वारा निर्देशित द लिटिल मरमेड में एरियल के रूप में हाले बेली, उर्सुला के रूप में मेलिसा मैक्कार्थी, प्रिंस एरिक के रूप में जोना हाउर-किंग, किंग ट्राइटन के रूप में जेवियर बार्डेम, सेबस्टियन के रूप में डेवेड डिग्स, फ्लाउंडर के रूप में जैकब ट्रेमब्ले, स्कूटल के रूप में अक्वाफिना, नोमा डूमेजवेनी और जूड अकुवुदिके हैं। द लिटिल मरमेड 26 मई को सिनेमाघरों में अंग्रेजी में रिलीज करने के लिए तैयार है।

दिब्येंदु भट्टाचार्य का अनुभव सिन्हा के साथ काम करने का सपना सच हुआ

मुंबई (आईएएनएस)। एक्टर दिब्येंदु भट्टाचार्य ने फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा के साथ काम करने को अपने सपने के साकार होने जैसा बताया। दिब्येंदु को ब्लैक फ्राइडे, लुटेरा, क्रिमिनल जस्टिस, रॉकेट बॉयज 2 और कई अन्य फिल्मों में अभिनय के लिए जाना जाता है। अभिनेता दो बड़ी परियोजनाओं में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, एक सोनू सूद की फतेह और दूसरी अनुभव सिन्हा की फिल्म जिसका नाम अभी नहीं आया है। निकट भविष्य में दो बड़ी रिलीज होने पर, दिब्येंदु ने कहा, मैं भगवान का आभारी हूं कि मुझे विभिन्न भूमिकाओं से अपनी कला को प्रदर्शित करने का मौका मिला है।

फतेह में सोनू सूद और जैकलीन के साथ काम करना बहुत अच्छा है। कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। अनुभव सिन्हा की अगली फिल्म के बारे में बात करते हुए, दिब्येंदु ने उत्साह से कहा, अनुभव सिन्हा के साथ काम करना एक लंबे समय का सपना सच होने जैसा है। वह बेहद प्रतिभाशाली निर्देशक हैं। इंतजार वास्तव में इसके लायक होगा। हम एक आकर्षक कहानी पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

गेल 7,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाएगी

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस उत्पादक गेल इंडिया लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए 7,000 करोड़ रुपये कर्ज लेने की योजना बनाई है। गेल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस के गुप्ता ने कहा, 'वित्त वर्ष 2023-24 में हमारी 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है।' उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 आंतरिक स्तर पर संसाधन निर्माण के लिए उतना अच्छा रहने के बावजूद गेल ने 9,100 करोड़ रुपये का निवेश किया जो बजटीय स्तर से 15 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष में आंतरिक स्तर पर संसाधन जुटाया जा सकेगा और पूंजीगत व्यय जारी रखने में कोई बाधा नहीं आएगी। गुप्ता ने कहा, 'चालू वित्त वर्ष में हमारी करीब 5,000-7,000 करोड़ रुपये उधारी जुटाने की योजना है।' गेल इंडिया के निदेशक (वित्त) आर के जैन ने कहा कि वित्त से संबंधित वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए उधारी जुटाने का काम घरेलू स्तर पर ही किया जाएगा।

सुजलॉन को 69 मेगावाट पवन ऊर्जा का ठेका मिला

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा समाधान मुहैया कराने वाली कंपनी सुजलॉन को 69 मेगावाट का पवन ऊर्जा ठेका मिला है। उसे यह ठेका नॉर्डिक एनर्जी की भारतीय सहायक कंपनी से मिला है। सुजलॉन ने एक बयान में कहा कि यह ऑर्डर नॉर्डिक एनर्जी की भारतीय सहायक कंपनी से मिला है, जो 69 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना के विकास के लिए है। कंपनी ने हालांकि ठेके की राशि के बारे में नहीं बताया। सुजलॉन समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे पी चलसानी ने कहा, "हमें इस बात पर गर्व है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विख्यात नॉर्डिक एनर्जी ने यूरोप के बाहर अपनी पहली पवन ऊर्जा परियोजना के लिए सुजलॉन पर भरोसा जताया है।" यह परियोजना कर्नाटक में स्थित है और इसके 2024 में चालू होने की उम्मीद है।

युवाओं के लिए होण्डा इंडिया फाउंडेशन की पहल

नई दिल्ली। होण्डा इंडिया फाउन्डेशन (एचआईएफ) ने आर्थिक रूप से वंचित वर्ग के युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी आजीविका में सहयोग प्रदान करने और स्थायी समाज के निर्माण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए एक कार्यक्रम प्रोजेक्ट प्रगति ;एक कदम विकास की ओर की शुरुआत की। फाउंडेशन के चेयरमैन सुत्सुमु ओतानीने कहा, शिक्षा और ग्रामीण विकास हमारे दीर्घकालिक मिशन का मुख्य स्तम्भ है। इसी को ध्यान में रखते हुए एचआईएफ ने आर्थिक रूप से वंचित युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए यह पहल की है।

टोयोटो की पहली ग्रेट फोर व्हील ड्राइव एक्स.पेडिशन

बेंगलुरु। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज मोटरिंग के प्रति उत्साही देश भर के लोगों के लिए फोर व्हील ड्राइव अनुभवात्मक ड्राइव की अपनी अब तक की प्रथम पहल की घोषणा की। इस साल यह आयोजन चार जोन उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। यह योजना टोयोटा द्वारा ग्रैड नेशनल फोर व्हील ड्राइव एक्स. पेडिशन' के साथ बनाई जा रही है। इनमें मशहूर हाईलक्स, फॉरच्यूनर , एलसी 300 और हाइराइड एडब्ल्यूडी ऑल व्हील ड्राइव के स्वामी शामिल होंगे। इस बारे में कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट अतुल सूद ने कहा टोयोटा अपने ग्राहकों के लिए असीमित अनुभव लाने में विश्वास रखता है।

मालाबार गोल्ड IIBX से कर सकेगी सोने का आयात

नई दिल्ली। सोने एवं हीरे के लिए देश के सबसे बड़े रिटेल चेन में से एक मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) से टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) लाइसेंस प्राप्त करने वाला भारत का पहला आभूषण समूह बन गया है। यह गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) सेज में भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज गेटवे (आइस गेट) की शुरुआत के कारण संभव हो गया है। इससे अब यह इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) के माध्यम से सोने का आयात कर सकता है। टीआरक्यू से समूह को भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत पारदर्शिता और आसानी के साथ कम शुल्क पर आईआईबीएक्स के माध्यम से सोने का आयात करने में मदद मिलेगी।

(एजेंसियां)

पीएनबी का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ पांच गुना बढ़ा

■ नई दिल्ली (भाषा)।

बैंक को 1159 करोड़ का मुनाफा, 32.5 फीसद लाभांश देगा

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का शुद्ध लाभ 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में पांच गुना से अधिक होकर 1,159 करोड़ रुपये पहुंच गया। मुख्य रूप से फंसे कर्ज में कमी और ब्याज आय बढने से बैंक का लाभ बढा है। बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एकल आधार पर 202 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

मार्च, 2023 तिमाही में बैंक की कुल आय बढकर 27,269 करोड़ रुपये हो गई जो मार्च, 2022 तिमाही में 21,095 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज से आय मार्च, 2022 तिमाही के 18,645 करोड़ रुपये से बढकर मार्च, 2023 तिमाही में 23,849 करोड़ रुपये हो गई। पीएनबी की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) यानी फंसा कर्ज 31 मार्च, 2023 को घटकर कुल कर्ज का 8.74 प्रतिशत रहा जो 31 मार्च, 2022 को 11.78 प्रतिशत था। बैंक का शुद्ध एनपीए आलोच्य अवधि में घटकर 2.72 प्रतिशत रहा जो मार्च 2022 में 4.8 प्रतिशत था।

पीएनबी का फंसा कर्ज कम होने से उसके एवज में प्रावधान 2022-23 की चौथी तिमाही में 3,625 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,564 करोड़ रुपये था। हालांकि पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बैंक का शुद्ध लाभ 27 प्रतिशत घटकर 2,507 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 3,457 करोड़ रुपये था। बैंक के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दो रुपये अंकित मूल्य के शेयर पर 0.65 रुपये यानी 32.5 प्रतिशत लाभांश देने की सिफारिश की है।

देश का रक्षा उत्पादन एक लाख करोड़ रुपये के पार

■ नई दिल्ली (भाषा)।

देश का रक्षा उत्पादन पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का अस्थायी आंकड़ा 1,06,800 करोड़ रुपये रहा है।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रक्षा उत्पादन बढ़ाने के सतत प्रयासों से वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का कुल मूल्य पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से अधिक रहा। मंत्रालय ने कहा, 'बीते वित्त वर्ष में रक्षा उत्पादन का मूल्य फिलहाल 1,06,800 करोड़ रुपये आंका गया है। निजी क्षेत्र की कुछ रक्षा इकाइयों से आंकड़ा मिलने के बाद इस मूल्य में अभी बढ़ोतरी होगी।'

इस तरह रक्षा उत्पादन में 12 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके पहले वित्त वर्ष 2021-22 में रक्षा उत्पादन 95,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा था। रक्षा मंत्रालय ने उत्पादन मूल्य में बढ़ोतरी के लिए सरकार के प्रोत्साहक कदमों को श्रेय देते हुए कहा, 'सरकार लगातार रक्षा मंत्रालय और उससे जुड़ी इकाइयों के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि चुनौतियों को दूर कर देश में रक्षा उत्पादन बढ़ाया जा सके।' बयान के मुताबिक, रक्षा विनिर्माण में कारोबारी सुगमता को बढ़ाने के साथ एमएसएमई एवं स्टार्टअप की भागीदारी के जरिये रक्षा उत्पादों के स्वदेशी डिजाइन, विकास एवं विनिर्माण को बढावा दिया जा रहा है। पिछले सात-आठ वर्षों में उद्योगों को दिए गए रक्षा लाइसेंस में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

- रक्षा उत्पादन में 12 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गयी
- भारत दुनिया भर में सैन्य उत्पादों का बड़ा आयातक, अगले पांच वर्ष में भारतीय सैन्यबल 130 अरब डालर मूल्य के रक्षा उपकरण खरीदेंगे
- भारत सरकार रक्षा उपकरणों के लिए आयात पर निर्भरता कम कर घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा दे रही है
- पिछले सात-आठ वर्षों में उद्योगों को दिये गये रक्षा लाइसेंस में 200 फीसद की वृद्धि हुई
- वर्ष 2024-25 में 25 अरब डालर के रक्षा उत्पादन का लक्ष्य

इस तरह के प्रयासों से मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 तक 25 अरब डॉलर (1.75 लाख करोड़ रुपये) का रक्षा उत्पादन लक्ष्य रखा है जिसमें 35,000 करोड़ रुपये के सैन्य उत्पादों का निर्यात करने का लक्ष्य भी शामिल है।

भारत दुनिया भर में सैन्य उत्पादों का बड़ा आयातक है। एक अनुमान के मुताबिक अगले पांच वर्षों में भारतीय सैन्यबल 130 अरब डॉलर मूल्य के रक्षा उपकरण खरीदने वाले हैं। हालांकि सरकार अब रक्षा उपकरणों के लिए आयात पर निर्भरता कम करना चाहती है और इसी कोशिश में घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सेंसेक्स करीब 300 अंक उछला

■ मुंबई (भाषा)।

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और विदेशी पूंजी की आवक बने रहने के बीच घरेलू शेयर बाजारों में तीन दिनों की गिरावट के बाद शुक्रवार को दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त हासिल करने में सफल रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स अंतिम दौर में खरीदारी का जोर रहने से 297.94 अंक यानी 0.48 प्रतिशत बढ़कर 61,729.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान काफी उतार-चढाव देखने को मिला और सेंसेक्स 61,784.61 के ऊपरी एवं 61,251.70 अंक के निचले स्तर पर भी रहा।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 73.45 अंक यानी 0.41 प्रतिशत चढकर 18,203.40 अंक पर पहुंच गया। इसके पहले लगातार तीन दिनों तक सेंसेक्स एवं निफ्टी दोनों में ही गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन कारोबारी सप्ताह का समापन बढत के साथ हुआ।

कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के उप उपाध्यक्ष (तकनीकी विश्लेषक) अमोल अठावले ने कहा, 'सकारात्मक वैश्विक संकेतों ने बाजारों को तीन दिनों की गिरावट से उबरने में मदद की। सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग एवं रियल्टी शेयरों में खरीदारी आने से सूचकांकों को समर्थन मिला।'

साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स में 298.22 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है जबकि निफ्टी को 111.4 अंक यानी 0.60 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। शुक्रवार को सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा मोटर्स के शेयरों में सर्वाधिक तीन प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गई। इसके अलावा टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

दूसरी तरफ, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, टाइटन एवं पावर ग्रिड के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। अडाणी समूह के बारे में उच्चतम न्यायालय की तरफ से गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में किसी नियामकीय नाकामी का जिक्र नहीं किए जाने से इसके शेयरों को मजबूती मिली। समूह की सभी 10 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

हालांकि बीएसई का स्मालकैप (छोटी कंपनियों) सूचकांक 0.16 प्रतिशत गिर गया जबकि मिडकैप (मझोली कंपनियों) सूचकांक 0.01 प्रतिशत सुस्ती के साथ लगभग स्थिर रहा। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी एवं जापान का निक्की बढत के साथ बंद हुए जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट एवं हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट पर रहे।

सरकार को 87,416 करोड़ का लाभांश देगा रिजर्व बैंक

मुंबई (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को 2022-23 के लिये 87,416 करोड़ रुपये के लाभांश भुगतान को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। यह इसके पहले वित्त वर्ष के लाभांश भुगतान के मुकबले करीब तिगुना है। वित्त वर्ष 2021-22 में लाभांश भुगतान 30,307 करोड़ रुपये था।

गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की 602वीं बैठक में लाभांश भुगतान का निर्णय लिया गया। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा, "निदेशक मंडल ने किसी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिये 'आकस्मिक जोखिम बफर' को छह प्रतिशत रखने का फैसला करते हुए लेखा वर्ष 2022-23 के लिये अधिशेष के रूप में 87,416 करोड़ रुपये केंद्र सरकार को अंतरित करने को मंजूरी दी।" निदेशक मंडल ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक तथा उससे जुड़ी स्थितियों की भी समीक्षा की। आरबीआई के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2022-23 में आरबीआई के कामकाज की समीक्षा के साथ सालाना रिपोर्ट तथा लेखा को मंजूरी दे दी।

आयुर्वेदिक सौंदर्य उत्पादों के लिए आयुथवेदा को बेस्ट डीटूसी अवार्ड

नई दिल्ली। आयुर्वेद से बने सौंदर्य उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के अनोखे नवाचार के लिए पहली बार किसी भारतीय कंपनी एमिल आयुथवेदा को बेस्ट डीटूसी अवार्ड प्रदान किया गया है। इस श्रेणी में अवार्ड पाने के लिए अनेक देशी-विदेशी कंपनियां कतार में थी।

बेंगलुरू में इंडियन रिटेलर द्वारा आयोजित इनोवेशन समिट में बुधवार देर रात एमिल आयुथवेदा के संस्थापक डा. संचित शर्मा को बेस्ट डीटूसी ब्रांड आफ द ईयर-ओमनिचैनल स्ट्रेटेजी अवार्ड प्रदान किया गया। कुछ समय पूर्व ही एमिल आयुथवेदा की शुरूआत हुई थी जिसका श्रेय संचित शर्मा को जाता है। आयुथवेदा के उत्पाद जैसे चारकोल और गोल्ड फ़ेसवास, एलोवेरा ज़ैल आदि आयुर्वेद पर आधारित है।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि सौंदर्य उत्पादों की डीटूसी श्रृंखला को ग्राहकों ने हाथोंहाथ लिया है। यह उत्पाद न सिर्फ सौंदर्य बढ़ाते है बल्कि त्वचा, बालों की सेहत में भी सुधार करती है तथा संक्रमणों से भी बचाव करते है। आजकल कंपनियों में सीधे अपने उत्पाद उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का चलन होने लगा है। लेकिन आयुर्वेद में औषधीय महत्व के पौधों से बने सौंदर्य उत्पाद अपने आप में अनोखे है। एमिल आयुथवेदा ने उन्हें बाजार में डीटूसी प्लेटफार्म के जरिये उतारा है। इसमें आनलाइन बिक्री और कंपनी के चुनीदा आउटलेट शामिल है। इस प्रक्रिया में उत्पाद और ग्राहक के बीच में वितरक, थोक और खुदरा विक्रेता नहीं होते है इसलिए कंपनी और उपभोक्ता दोनों को फायदा होता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.6 अरब डॉलर बढ़कर 599.5 अरब डॉलर

■ मुंबई (वार्ता)।

विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी होने से 12 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.6 अरब डॉलर बढ़कर 599.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 7.2 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 595.98 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 12 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 529.6 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.4 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 3.5 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18.4 अरब डॉलर पर आ गया।

इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 2.8 करोड़ डॉलर कम होकर 5.2 अरब डॉलर रह गया।

ट्विटर ने माइक्रोसॉफ्ट पर डेटा दुरुपयोग का लगाया आरोप

सैन फ्रांसिस्को (एपी)। ट्विटर के मालिक एलन मस्क के एक वकील ने माइक्रोसॉफ्ट पर ट्विटर के डेटा का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। उसने माइक्रोसॉफ्ट को एक पत्र लिखकर मामले में ऑडिट कराने की मांग भी की है। यह पत्र मुख्य रूप से ट्विटर द्वारा माइक्रोसॉफ्ट पर उसके ट्वीट के डेटाबेस से जानकारी प्राप्त करने में कथित तौर पर अनियमितताएं बरतने के आरोपों पर केंद्रित है। लेकिन, इससे आगे चलकर डेटा के दुरुपयोग को लेकर दोनों कंपनियों में विवाद बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मस्क ने इससे पहले एक ट्वीट में माइक्रोसॉफ्ट और उसकी साझेदार ओपन-एआई पर चैट-जीपीटी जैसी कृत्रिम बुद्धिमता आधारित उन्नत तकनीक विकसित करने में ट्विटर के डेटा का 'अवैध' रूप से इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि माइक्रोसॉफ्ट को ट्विटर को उसके डेटा के संभावित इस्तेमाल के बारे में सूचित करना था, लेकिन कंपनी ट्विटर के डेटाबेस से सूचनाएं एकत्रित करने वाले अपने आठ में से छह एप्लीकेशन के मामले में ऐसा करने में नाकाम रही।

क्रेडिट, डेबिट कार्ड से विदेशों में सात लाख तक खर्च पर नहीं कटेगा टीसीएस

■ नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि डेबिट या क्रेडिट कार्ड के जरिये विदेशों में एक वित्त वर्ष में सात लाख रुपये तक के खर्च पर 'स्रोत पर कर संग्रह' (टीसीएस) नहीं कटेगा।

विभिन्न तबकों की आलोचनाओं के बीच वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य रिजर्व बैंक की उदारीकृत धनप्रेषण योजना (एलआरएस) और टीसीएस के संबंध में प्रक्रिया संबंधी अस्पष्टता को दूर करना है। मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड के जरिये होने वाले खर्च को एलआरएस के दायरे में लाने का निर्णय किया था। इसके परिणामस्वरूप उस पर 20 प्रतिशत टीसीएस लगाया गया था। इसको लेकर विशेषज्ञों और संबंधित पक्षों ने तीखी प्रतिक्रिया जतायी थी।

मंत्रालय ने कहा, 'प्रक्रिया संबंधी अस्पष्टता दूर करने के मकसद से यह निर्णय लिया गया है कि अंतरराष्ट्रीय डेबिट या क्रेडिट कार्ड के जरिये विदेशों में एक वित्त वर्ष में सात लाख रुपये तक के खर्च को उदारीकृत धन प्रेषण योजना से बाहर रखा जाएगा और उस पर टीसीएस नहीं कटेगा।' फिलहाल विदेशों में इलाज और पढ़ाई पर होने वाले सात लाख रुपये तक के खर्च पर टीसीएस नहीं कटता। ऐसे खर्च पर टीसीएस पांच प्रतिशत की दर से कटता है। मंत्रालय ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधित भुगतान के लिये टीसीएस से जुड़ी मौजूदा सुविधा जारी रहेगी।

बीआईआरईटी-जीआईसी 11,225 करोड़ रुपये में दो संपत्तियों का अधिग्रहण करेंगे

■ मुंबई (भाषा)।

ब्रुकफील्ड इंडिया आरईआईटी (बीआईआरईटी) और सिंगापुर की जीआईसी ने शुक्रवार को एक समान भागीदारी की घोषणा की, जिसके तहत भारत में 1.4 अरब डॉलर या 11,225 रुपये में दो वाणिज्यिक संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाएगा। बीआईआरईटी ने एक बयान में कहा कि मुंबई और गुरुग्राम स्थित इन दो संपत्तियों का निर्मित क्षेत्र 65 लाख वर्ग फुट है और इस समय इसका स्वामित्व ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट के निजी रियल एस्टेट फंड के पास है। यह भारत में सूचीबद्ध आरईआईटी (रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट) और वैश्विक संस्थागत निवेशक के बीच अपनी तरह की पहली साझेदारी है। बीआईआरईटी ने 3,500 करोड़ रुपये तक के संस्थागत नियोजन के जरिए अधिग्रहण को वित्तपोषित करने का प्रस्ताव किया है और वह तरजीही आवंटन सहित पूंजी जुटाने के अन्य तरीकों पर भी विचार कर सकता है।

जीईएम पोर्टल से बीते वित्त वर्ष में उत्तर प्रदेश सरकार ने की सर्वाधिक खरीदारी

■ नई दिल्ली (भाषा)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी खरीद के लिए ऑनलाइन मंच जीईएम से वित्त वर्ष 2022-23 में अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुकाबले सर्वाधिक वस्तुओं और सेवाओं की खरीदारी की है।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार और उसकी एजेंसियों ने वाणिज्य मंत्रालय के सरकारी ई-बाजार मंच जीईएम से पिछले वित्त वर्ष में 12,152 करोड़ रुपये की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की। इसके बाद गुजरात का स्थान रहा जिसने 7,964 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इसके अलावा महाराष्ट्र ने 4,130 करोड़ रुपये, जम्मू-कश्मीर ने 1,999 करोड़ रुपये और मध्य प्रदेश ने 1,983 करोड़ रुपये की खरीदारी की। पिछले वित्त वर्ष में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और राज्यों की ओर से वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीदारी बढ़ने के कारण संयुक्त रूप से यह आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।

सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के लिए वस्तु एवं सेवा खरीदारी मंच के तौर जीईएम पोर्टल को नौ अगस्त, 2016 को पेश किया गया था। जीईएम पर लगभग 63,000 सरकारी खरीदार संगठन, लगभग छह करोड़ विक्रेता और सेवा प्रदाता हैं जो विभिन्न प्रकार के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हैं। इस समय सरकारी विभाग, मंत्रालय, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां, राज्य सरकारें और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल इस पोर्टल के माध्यम से खरीदारी कर सकते हैं।

- यूपी सरकार ने जीईएम से 12152 करोड़ रुपये की वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद की
- जीईएम पर लगभग 63,000 सरकारी खरीदार संगठन, लगभग छह करोड़ विक्रेता और सेवा प्रदाता हैं जो विभिन्न प्रकार के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हैं
- केंद्रीय मंत्रालयों में सबसे बड़ा खरीदार बिजली मंत्रालय रहा

बीते वित्त वर्ष में इस मंच पर केंद्रीय मंत्रालयों में सबसे बड़ा खरीदार बिजली मंत्रालय रहा। इस मंत्रालय ने 30,572.9 करोड़ रुपये की वस्तुओं व सेवाओं की खरीद की। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने 28,741.2 करोड़ रुपये, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 28,157.2 करोड़ रुपये, इस्पाद मंत्रालय ने 12,527.3 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 7,158.3 करोड़ रुपये की वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीदारी की। इस श्रेणी में इस समय दक्षिण कोरिया का कोनेप्स सबसे बड़ा मंच है, वहीं जीईएम सिंगापुर के जीबिज के बाद तीसरे स्थान पर है।

इंडिगो ने की छह नए डायरेक्ट रूट की घोषणा

■ कोलकाता (वार्ता)।

नए मार्गों में एक जून से शुरू होने वाले बेंगलुरु-दुबई, कोच्चि-बहरीन, लखनऊ-दम्मम और 11 अगस्त से प्रभावी अहमदाबाद-जेद्दाह शामिल

भारत की अग्रणी विमानन कंपनी इंडिगो ने कई भारतीय और खाड़ी शहरों के बीच नयी सीधी उड़ानों की घोषणा की है। नए मार्गों में एक जून से शुरू होने वाले बेंगलुरु-दुबई, कोच्चि-बहरीन, लखनऊ-दम्मम और 11 अगस्त, 2023 से प्रभावी अहमदाबाद-जेद्दाह शामिल है।

कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार गर्मी के मौसम में भारत से खाड़ी देशों की याात्रा की भारी मांग को देखते हुए एयरलाइन ने चेन्नई-दम्मम और कोच्चि-दम्मम के बीच मौसमी अतिरिक्त उड़ानों की भी घोषणा की है। इंडिगो बेंगलुरु-दुबई, कोच्चि-बहरीन के बीच सीधी उड़ाने संचालित करने वाली पहली भारतीय वाहक होगी और कोच्चि-दम्मम, लखनऊ-दम्मम, चेन्नई-दम्मम और अहमदाबाद-जेद्दाह के बीच दैनिक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करने वाली एकमात्र एयरलाइन है, जो याात्रा के समय को कम करती है।

वर्तमान में, इंडिगो अबू धाबी, बहरीन, दम्मम, दोहा, दुबई, जेद्दा, कुवैत, रास अल खैमाह, रियाद, शारजाह और मस्कट सहित में 11 गंतव्यों के लिए कनेक्शन प्रदान करता है। इन नयी उड़ानों के शामिल होने से गर्मियों की छुट्टियों के दौरान खाड़ी देशों से आने और जाने वाले यात्रियों के लिए क्षमता बढ़ेगी और पहुंच में वृद्धि होगी।

इंडिगो में ग्लोबल सेल्स के प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा, "इंडिगो में, हम भारत और मध्य पूर्व के बीच यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्साहित है, खासकर गर्मियों के दौरान। ये नए सीधे कनेक्शन न केवल शहरों के बीच यात्रा के लिए परेशानी मुक्त और किफायती विकल्प प्रदान करेंगे, बल्कि याात्रा के समय को भी काफी कम कर देंगे। खाड़ी देश अपनी समृद्ध संस्कृति, स्वादिष्ट व्यंजनों और प्रचुर मात्रा में तेल के भंडार के साथ, अब कॉरपोरेट्स, व्यापारियों, पर्यटकों के साथ-साथ आने वाले दोस्तों और परिवार के लिए पहले से कहीं अधिक सुलभ है। हम अपने ग्राहकों को विनम्र, समय पर और किफायती यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम उड़ान के नए विकल्पों की तलाश करना जारी रखेंगे।"

कई भारतीय शहरों और खाड़ी देशों के बीच नई सीधी उड़ानों की शुरूआत यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा विकल्प प्रदान करेगी, कनेक्टिविटी और पहुंच को बढ़ाएगी और इन क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देगी।

इटालियन ओपन के सेमी फाइनल में पहुंचे मेदवेदेव

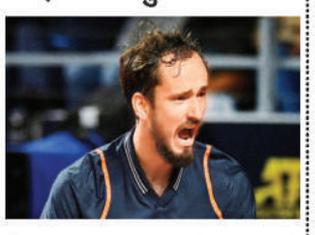

रोम। विश्व रैंकिंग में नंबर तीन के खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने क्ले कोर्ट पर शानदार प्रदर्शन करते हुए इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला यूनान के स्टेफानोस सितसिपास से होगा। रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने जर्मन क्वॉलीफायर यानिक हैनफमैन को 6-2, 6-2 से पराजित किया। सितसिपास ने एक अन्य क्वॉर्टर फाइनल में क्रोएशिया के बोर्ना कॉरिच को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार इटालियन ओपन के सेमी में जगह बनाई।

सेविला ने सातवीं बार यूरोपा लीग के फाइनल में किया प्रवेश

नई दिल्ली। सेविला ने 120 मिनट के रोमांचक मुकाबले में जुवेंट्स को 2-1 से हराकर सातवीं बार यूरोपा लीग के फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में सेविला की भिड़ंत रोमा से होगी। मैच के पहले हाफ में दोनों टीम ने गोल करने का प्रयास किया लेकिन वह नाकाम रहीं। दूसरे हाफ में व्लाहोविच ने 65वें मिनट गोल कर जुवेंट्स को बढ़त दिलाई। हालांकि, छह मिनट बाद ही सुसो ने गोल दागकर मैच बराबरी पर ला दिया। अतिरिक्त समय में लामेला ने सेविला को बढ़त दिलाई। मैच उस वक्त रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया जब एक्यूना को 114वें मिनट में थ्रो-इन के दौरान समय बर्बाद करने के लिए दूसरा पीला कार्ड मिला।

गनेमत और गुरजोत इटली में लेंगे शूटिंग का प्रशिक्षण

नई दिल्ली। युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) और मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के निशानेबाज गनेमत सेखों और गुरजोत सिंह को इटली में प्रशिक्षण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। गनेमत ने हाल ही में मिस्र के काहिरा में आईएसएसएफ विश्व कप में मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता था। वह महिला स्कीट स्पर्धा में भारत की नंबर एक रैंकिंग पर हैं। अब वे बारी में इतालवी कोच पिअरो गेंगा के नेतृत्व में 11 दिन का प्रशिक्षण लेंगी जबकि गुरजोत अपने कोच एनिओ फाल्को के नेतृत्व में दस दिन का प्रशिक्षण प्राप्त करेगी। दोनों शूटर्स साल के अंत में होने वाले आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों की तैयारी कर रहे हैं।

मनिका, कमल, साथियान पर रहेंगी भारत की निगाहें

मुंबई। फ्रेंचाइजी आधारित टेबल टेनिस लीग अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के चौथे संस्करण में अफ्रीका के महान कादरी अरूणा समेत दुनिया के जाने माने टीटी सितारे शिरकत करेंगे। तीन साल के अंतराल के बाद लीग का आयोजन 13 से 30 जुलाई के बीच पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जा रहा है। लीग में अचंता शरथ कमल, साथियान ज्ञानसेकरन और मनिका बत्रा जैसे भारतीय सितारे भी शामिल होंगे। दुनिया के 12वें नंबर के खिलाडी अरुणा यूटीटी के पहले दो सत्र खेल चुके है। इसके अलावा वर्ल्ड नंबर 32 जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा, वर्ल्ड नंबर 34 मिस्र के उमर अस्सार, स्पेन के अल्वारो रॉबल्स भी लीग का हिस्सा बनेंगे। दस राष्ट्रीय खिताब अपने नाम कर चुके अनुभवी पैडलर शरथ कमल, भारत में शीर्ष वरीय साथियान भारतीय लाइन-अप का नेतृत्व करेंगे।

टीवी को पछाड़ चलती फिरती स्क्रीन बनी क्रिकेट प्रशंसकों की पहली पसंद

मोबाइल फोन पर क्रिकेट का लुत्फ उठाने वालों की तादाद में खासा इजाफा

नई दिल्ली। क्रिकेट का मजा लेने के लिए टेलीविजन स्क्रीन पर घंटों चिपके रहने अब गुजरे जमाने की बात बन चुका है। सर्वेक्षणों की माने तो टीवी की बजाय चलती फिरती स्क्रीन यानी मोबाइल फोन पर क्रिकेट का लुत्फ उठाने वालों की तादाद में खासा इजाफा हुआ है। सर्वे कंपनी डेटा एआई के अनुसार आईपीएल के मौजूदा सत्र में 15 अप्रैल से पांच मई के दौरान 93 मिलियन दर्शकों ने टीवी पर मैच देखा, जबकि जियो सिनेमा एप पर मैच देखने वालो की संख्या 97 मिलियन के आंकड़े को पार कर गई है। इस सर्वेक्षण में हालांकि डिजिटल डेटा दो से 14 साल के बच्चों को शामिल नहीं किया गया है, जबकि टीवी से संबंधित डेटा में सभी को शामिल किया गया है। यदि डिजिटल में दो वर्ष से अधिक आयु वालों को भी सम्मिलित कर लिया जाए तो यह संख्या टीवी के नंबर्स से कहीं अधिक हो सकती है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापनदाताओं की आई बाढ़, टीवी से लगातार घट रहा आंकड़ा

मोबाइल फोन पर मैच देखने की दीवानगी का असर टीवी पर दिखाए जाने वाले विज्ञापनों पर भी पड़ा है। पिछले छह सप्ताह में स्पोर्ट्स चैनल में दिखाए जाने वाले विज्ञापन 40 फीसदी कम हुए है। पिछले आईपीएल सत्र में 98 विज्ञापनदाता थे, जबकि अभी चल रहे सीजन में टीवी के पास केवल 59 विज्ञापनदाता ही हैं। दूसरी तरफ, डिजिटल पर विज्ञापन देने वालों की संख्या 400 के आसपास की है।

व्यूयरशिप भी हो रही कम

व्यूयरशिप की बात करे तो टेलीविजन इस आईपीएल सीजन में 4.46 की टीवीआर पर है, जो पिछले छह वर्षो में नीचे से दूसरे स्थान पर है। 2020 में यह टीवीआर 6.4 थी। मई में एक्सिस माय इंडिया कंज्यूमर सेंटीमेंट्स इंडेक्स के निष्कर्ष के अनुसार, युवा मोबाइल फोन (जियो सिनेमा) पर आईपीएल देखना पसंद करते हैं। सर्वे में शामिल 18-25 वर्ष के 64 प्रतिशत प्रतिभागियों ने मोबाइल पर आईपीएल देखना पसंद किया। टीवी पर आईपीएल मैच की 23 प्रतिशत व्यूयरशिप 2-14 आयु वर्ग की है, जबकि 15-21 की आयु वाले केवल 15 प्रतिशत लोग ही टीवी पर मैच देखते है। 22-30 साल की उम्र के केवल 18 फीसदी लोग ही टीवी पर मैच देखते है।

नंबर गेम

- **93** मिलियन दर्शकों ने आईपीएल के मौजूदा सत्र में 15 अप्रैल से पांच मई के दौरान टीवी पर मैच देखा
- **97** मिलियन के आंकड़े को पार कर गई जियो सिनेमा एप पर मैच देखने वालों की संख्या इस दौरान
- **40** फीसदी कम हो गए पिछले छह सप्ताह में स्पोर्ट्स चैनल में दिखाए जाने वाले विज्ञापनों की संख्या
- **98** विज्ञापनदाता थे पिछले आईपीएल सत्र में, इस सीजन में टीवी के पास केवल 59 विज्ञापनदाता
- **400** के पार पहुंची डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन देने वालों की संख्या

ऑरेंज कैप

1 फाफ डु प्लेसिस 702

मैच	सर्वश्रेष्ठ	औसत	चौके	छक्के	50	100
13	84	58.50	55	36	8	0

स्थान	प्लेयर	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	4	6	50	100
2	जायसवाल	14	625	124	48.08	82	26	5	1
3	शुभमन गिल	13	576	101	48.00	62	14	4	1
4	विराट कोहली	13	538	100	44.83	52	15	6	1
5	डेवोन कॉन्वे	13	498	92*	49.80	58	13	5	0

पर्पल कैप

1 मोहम्मद शमी 23

मैच	विकेट	इकोनॉमी	बेस्ट बॉलिंग	4/5 विकेट
13	23	7.54	11/4	2/0

स्थान	प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी	4/5 विकेट
2	राशिद खान	13	23	30/4	7.96	1/0
3	यूजी चहल	14	21	17/4	8.17	3/0
4	पीयूष चावला	13	20	22/3	7.66	0/0
5	वरुण चक्रवर्ती	13	19	15/4	8.03	1/0

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रनरेट
गुजरात टाइटंस	13	09	04	18	0.835
चेन्नई सुपर किंग्स	13	07	05	15	0.381
लखनऊ सुपर जांयट्स	13	07	05	15	0.304
रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु	13	07	06	14	0.180
राजस्थान रॉयल्स	14	07	07	14	0.148
मुंबई इंडियंस	13	07	06	14	-0.128
कोलकाता नाइट राइडर्स	13	06	07	12	-0.256
पंजाब किंग्स	14	06	08	12	-0.304
दिल्ली कैपिटल्स	13	05	08	10	-0.572
सनराइजर्स हैदराबाद	13	04	09	08	-0.558

पंजाब प्लेऑफ की रेस से बाहर राजस्थान की उम्मीदें अभी कायम

आईपीएल सीजन-16: सैनी की घातक गेंदबाजी, बटलर 5वीं बार हुए जीरो पर आउट

धर्मशाला। राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार को अपने अंतिम लीग मैच में जीत दर्ज कर आईपीएल सीजन-16 की प्लेऑफ रेस में अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं, जबकि पंजाब किंग्स रेस से बाहर हो गई है। संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स ने मौजूदा सीजन के 66वें मुकाबले में शिखर धवन की कप्तानी में खेल रही पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ राजस्थान की टीम टेबल के पांचवें नंबर पर आ गई है।

सभी लीग मैच खेलने के बाद उसके खाते में 14 अंक हैं, वहीं पंजाब की टीम 12 अंक ही हासिल कर सकी है। ऐसे में पंजाब प्लेऑफ की होड़ से बाहर हो गई है। प्लेऑफ में प्रवेश करने के लिए राजस्थान को अब मुंबई की हार और बेंगलुरु की बढ़ी हार की दुआ करनी होगी। धर्मशाला मैदान पर राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। पंजाब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 187 रन बनाए। 188 रन का टारगेट राजस्थान ने 19.4 ओवर में 6 विकेट से हासिल कर लिया। राजस्थान रॉयल्स के ओपनर जोस बटलर दूसरी पारी के दूसरे ही ओवर में जीरो पर आउट हो गए। उन्हें कगिसो रबाडा ने ओवर की चौथी गेंद पर पगबाधा कर दिया। बटलर इस सीजन में पांचवीं बार जीरो पर आउट हुए हैं। इस सीजन से पहले वे आईपीएल में कभी भी डक पर आउट नहीं हुए थे। यहां तक कि पिछले सीजन में तो उन्होंने 4 शतक भी लगा दिए थे। वहीं इस सीजन सेंचुरी तो एक भी नहीं बना सके, जबकि पांच बार डक पर आउट हो गए।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4/6
प्रभसिमरन कै. एवं बो. बोल्ट	02	02	0/0
शिखर धवन एगबाधा जम्पा	17	12	2/1
अथर्व तायडे कै. पडिक्कल बो. सैनी	19	12	3/1
लियाम लिविंगस्टोन बो. सैनी	09	13	1/0
सैम करन नाबाद	49	31	4/2
जितेश शर्मा कै. फरेरा बो. सैनी	44	28	3/3
शाहरुख खान नाबाद	41	23	4/2

अतिरिक्त: 6, कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन **विकेट पतन:** 1-2, 2-38, 3-46, 4-50, 5-114 **गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 4-0-35-1, संदीप शर्मा 4-0-46-0, नवदीप सैनी 4-0-40-3, ऐडम जम्पा 4-0-26-1, युजवेंद्र चहल 4-0-40-0,

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
यशस्वी कै. ऋषि बो. एलिस	50	36	8/0
जोस बटलर एगबाधा रबाडा	00	04	0/0
पडिक्कल कै. हरप्रीत बो. अर्शदीप	51	30	5/3
संजू सैमसन कै. ऋषि बो. चाहर	02	03	0/0
हेटमायर कै. धवन बो. करन	46	28	4/3
रियान पराग कै. तायडे बो. रबाडा	20	12	1/2
ध्रुव जुरेल नाबाद	10	04	0/1
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	01	02	0/0

अतिरिक्त: 9, कुल: 19.4 ओवर में छह विकेट पर 189 रन **विकेट पतन:** 1-12, 2-85, 3-90, 4-137, 5-169, 6-179 **गेंदबाजी:** सैम करन 4-0-46-1, कगिसो रबाडा 4-0-40-2, अर्शदीप सिंह 4-0-40-1, नेथन एलिस 4-0-34-1, राहुल चाहर 3.4-0-28-1,

पंजाब किंग्स को तगड़ा झटका देने के बाद खुशी मनाते राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी।

भारत की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने पक्का किया पदक

शंघाई। भारत की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने शुक्रवार को फाइनल में जगह बनाकर विश्वकप के दूसरे चरण में पदक पक्का। वहीं रिकर्व तीरंदाजों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेनम की भारतीय जोड़ी ने एक रोमांचक सेमीफाइनल में इटली की अपनी प्रतिद्वंदी टीम को 157-157 से हराकर विश्वकप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। भारत की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया से होगा। भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में इटली की एलिसा रोनर और एलिया फ्रीगनन ने पहले चक्र में परफेक्ट 40 का स्कोर बनाते हुए एक अंक की बढ़त हासिल की। इटली की टीम ने तीसरे चक्र में 40 का स्कोर बनाया और अपनी बढ़त दो अंकों (117-119) की कर दी। लेकिन ओजस और ज्योति ने वापसी की और चौथे दौर में 40 का स्कोर बनाकर मुकाबले को शूट ऑफ तक खींच दिया जिसमें भारतीय जोड़ी के तीर केंद्र के अधिक करीब रहे और इस आधार पर उसने फाइनल में जगह बनाई।

रिकर्व तीरंदाजों ने किया निराश

ओलंपिक में शामिल रिकर्व स्पर्धा में भारत को निराशा हाथ लगी। धीरज बोम्मदेवरा और सिमरनजीत कौर की पांचवीं वरीयता प्राप्त रिकर्व जोड़ी अपने पहले मैच में इंडोनेशिया से 2-6 (39-35, 37-39, 37-38, 34-35) से हार गई।

बेंगलुरु के इन खूबसूरत हिल स्टेशन में बिताएं कुछ सुकून के पल, जन्नत में होने का होगा एहसास

बेंगलुरु कर्नाटक राज्य की राजधानी होने के अलावा दक्षिण-भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पूरे भारत में यह शहर हाई-टेक उद्योगों का केंद्र भी माना जाता है। बता दें कि बेंगलुरु अपने खूबसूरत पार्कों, शानदार मौसम और मनमोहक झीलों के लिए काफी फेमस है। ऐसे तो यहां पर घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में अगर आप भी शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय के लिए किसी शांत जगह पर जाने का प्लान बना रहे हैं। तो आप बेंगलुरु के आसपास स्थिति कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन पर घूमने का प्लान बना सकते हैं। अगर आप बेंगलुरु की भागदौड़ भारी जिंदगी से दूर किसी खूबसूरत और शांत जगह पर जाना चाहते हैं। तो आप नंदी हिल स्टेशन जा सकते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां पर पूरे साल मौसम सुहावना बना रहता है। यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। हरे-भरे जंगल और पहाड़ों के बीच टीपू सुल्तान का महल मौजूद है। जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है। नंदी हिल समुद्र तल से लगभग 4 हजार से भी अधिक फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। यहां से आप सनसेट और सनराइज की खूबसूरत झलक भी देख सकते हैं। साथ ही यहां पर आप भगवान शिव उनकी पत्नी पार्वती व नंदी को समर्पित नंदेश्वर मंदिर के भी दर्शन कर सकते हैं। आंध्र प्रदेश में स्थित और बेंगलुरु के पास में मौजूद होसंले हिल्स जाने के बाद आप किसी दूसरी दुनिया में होने का एहसास करेंगे। जब बेंगलुरु के अन्य हिस्सों में भयंकर गर्मी पड़ती है तो यहां का मौसम एकदम सुहावना रहता है। यहां पर सुबह-शाम ठंडी हवा चलती है। होर्सले हिल्स में जाने के बाद व्यक्ति खुद को प्रकृति के बेहद करीब महसूस करता है। होर्सले हिल्स के नजारे देख आपकी सा ी थकान औक दर्द दूर हो जाएंगे। इसके अलावा यहां पर आप फोटोग्राफी और ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं। बेंगलुरु के पास में स्थित रामानगरम हिल में आप सुकून के पल बिता सकते हैं। चट्टानी पहाड़ियों और हरे भरे वातावरण के बीच मौजूद रामानगरम हिल स्टेशन पर आप अपने पार्टनर के साथ जा सकते हैं। रामानगरम हिल के पास में मौजूद रामदेवरबेट्टा गिद्ध अभ्यारण्य इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करता है। यहां पर जाने के लिए मार्च से जून का महीना सबसे बेस्ट होता है। बेंगलुरु के आसपास में मौजूद अन्तर गंगे/ अंतरा गंगे एक बेहद ही खूबसूरत और रहस्यमयी हिल है। यहां पर चट्टानी शिलाखंडों, छोटी गुफाओं और घने वृक्षारोपण हैं। यह आसपास के शहरों की फैमस जगह है। बता दें कि अंतर गंगे समुद्र तल से लगभग 2 हजार मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है। यहां पर आप गंगे ट्रेकिंग और रॉक क्लाइम्बिंग का भी मजा ले सकते हैं। गर्मियों में भी यहां का तापमान एकदम सुहावना होता है। इसके अलावा यहां पर मौजूद पवित्र काशी विश्वेश्वर मंदिर के भी दर्शन कर सकते हैं।

पूर्व हॉकी कोच सर्पाल को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान करते केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर।

फील्ड हॉकी में योगदान के लिए सर्पाल सिंह को द्रोणाचार्य पुरस्कार

नई दिल्ली। अनुभवी फील्ड हॉकी खिलाड़ी और जाने माने कोच सर्पाल सिंह को केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स के संस्थापक निदेशक सर्पाल सिंह ने अपने करियर में विभिन्न हॉकी टूर्नामेंटो में पंजाब और भारत का प्रतिनिधित्व किया है। साथ ही खिलाड़ियों को सलाह देने और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों और भारत के ओलंपियन सहित प्रतिभाओं की पहचान करने और उनका पोषण करने में खुद को समर्पित किया। उन्होंने उत्तर रेलवे की टीमों को भी प्रशिक्षण दिया है, जिन्होंने नेहरू गोल्ड कप, बॉम्बे गोल्ड कप और ग्वालियर गोल्ड कप कि ट्रॉफी अपने नाम किया है। उत्तर रेलवे हॉकी टीम के कोच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, सर्पाल सिंह ने भारत के कुछ बेहतरीन हॉकी खिलाड़ियों को तैयार किया। पिर्थीपाल सिंह, मोहिंदर लाल, हरबिंदर सिंह, चांद सिंह, मुखबेन सिंह, वरिंदर सिंह, अजीत सिंह, इंदर सिंह सरपाल सिंह के महान शिष्यों में से एक हैं।

मल्होत्रा और जेपी यादव के धमाल से उड़ान क्रिकेट अकादमी फाइनल में

भोपाल। स्थानीय ओल्ड कैपियन मैदान पर खेली जा रही छठवीं मास्टर्स कप वेटरन एवं इन्टर क्लब क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को एमसीसीए मास्टर्स ने सेमीफाइनल और उड़ान क्रिकेट अकादमी ने फाइनल में जगह बनाई। पहले मैच में एमसीसीए मास्टर्स ने एमजीयू मास्टर्स को 49 रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एमसीसीए मास्टर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाए। एमसीसीए के लिए मैन ऑफ द मैच सतीश कुमार ने 71 रन और अब्दुल जमील ने नाबाद 68 रनों का योगदान दिया। जवाब में एमजीयू मास्टर्स की टीम 16.5 ओवर में 124 रन ही बना सकी। एमजीयू की तरफ से पीयूष मेहता ने 52 रन की पारी खेली। मैन ऑफ द मैच सतीश कुमार को मध्यप्रदेश के पूर्व रणजी कप्तान बृजेश तोमर और मुकेश भटनागर ने पुरुस्कृत किया। दूसरे मैच में उड़ान अकादमी ने वीएस अकादमी को नौ विकेट से हराया। सेमीफाइनल मैच में वी एस क्रिकेट अकदमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर 7 विकेट खोकर 163 रन बनाए। जवाब में उड़ान ने कृष मल्होत्रा की आतिशी पारी 79 रन और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जेपी यादव के नाबाद 65 रन की बदौलत यह मैच 9 विकेट से जीत लिया।

प्रकाश तरण पुष्कर में 24 मई को होगी जिला तैराकी

भोपाल। तैराकी संघ भोपाल द्वारा जिला तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन प्रकाश तरण पुष्कर लिंक रोड नम्बर-1 पर दिनांक 24 मई को किया जाएगा। भोपाल तैराकी संघ के सचिव रामकुमार खिलरानी ने शुक्रवार को बताया कि यह तैराकी प्रतियोगिता पांच आयु वर्ग में खेली जाएगी। इसमें सिर्फ भोपाल तैराकी संघ से रजिस्टर्ड तैराक ही भाग ले सकेंगे। इच्छुक प्रतिभागी तैराक 21 मई तक अपनी एंट्री करा सकते है।

प्रथम यूथ बॉक्सिंग में लोकेश, विश्वजीत और राधिका ने जीता सोना

भोपाल। राजधानी के तात्याटोपे स्टेडियम में आयोजित प्रथम यूथ भोपाल डिवीजन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2023 में मप्र राज्य बॉक्सिंग अकादमी के पुरुष एवं महिला मुक्केबाजों का बोलबाला रहा। पुरुष वर्ग में 45 से 48 किग्रा भार वर्ग में लोकेश पाल ने स्वर्ण, सार्थक सेन ने रजत और पीयूष गौर में कांस्य पदक जीता। वहीं 48 से 51 किग्रा भार वर्ग में विश्वजीत यादव ने स्वर्ण, प्रिंस मेवाड़ा ने रजत और एमएस मुबाशिर ने कांस्य अपने नाम किया। 51 से 54 किग्रा भार वर्ग में राजीव सेन ने स्वर्ण, आर्यन मलैय ने रजत पदक हासिल किया। 54 से 57 किग्रा भार वर्ग में रोहित तेवतिया ने स्वर्ण, प्रणय रावत ने रजत और दीप दत्ता ने कांस्य पदक प्राप्त किए। 57 से 60 किग्रा भार वर्ग में आदर्श कटारे ने स्वर्ण, प्रणय रावत ने रजत और दीप दत्ता ने कांस्य पदक अपने नाम किया। 60 से 63.5 किग्रा भार वर्ग में अभिषेक तोमर ने स्वर्ण और लॉकी सूर्यवंशी ने रजत जबकि 63.5 से 67 किग्रा में आयुष ने स्वर्ण और लक्ष्य सेन में रजत पदक जीता। 67 से 71 किग्रा भार वर्ग में अभिषेक भदौरिया ने स्वर्ण, रोहित अग्रवाल ने रजत जबकि 80 से 86 किग्रा भार वर्ग में विवेक सोलंकी ने स्वर्ण व क्रिश सिसोदिया ने रजत पदक अपने नाम किए। मप्र बॉक्सिंग अकादमी की महिला टीम के लिए 45 से 48 किग्रा भार वर्ग में राधिका जाटव ने स्वर्ण और नीलम कुशवाह ने रजत पदक अपने नाम किए। 48 से 50 किग्रा भार वर्ग में काफी ने स्वर्ण और रजनी चौहन ने रजक पदक प्राप्त किए। 50 से 52 किग्रा भार वर्ग में मुस्कान मोहरी ने स्वर्ण, भाव्या शर्मा ने रजत और माही लोधी ने कांस्य पदक जीता।

संक्षिप्त खबरें

आतंकी चंगुल से 7 साल बाद रिहा हुआ डॉक्टर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के डॉक्टर केनेथ इलियट (88) सात साल से अधिक समय तक आतंकवादियों के कैद में रहने के बाद रिहा कर दिये गये हैं। जनवरी 2016 में पश्चिम अफ्रीका में एक आतंकवादी इकाई से जुड़े एक समूह ने डॉ. इलियट का अपहरण कर लिया गया था। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग ने ट्वीट किया, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि डॉ. केनेथ इलियट सुरक्षित और स्वस्थ हैं। वह पत्नी जॉक्लिन तथा बच्चों के साथ हैं।

प्रशांत क्षेत्र में 7.7 तीव्रता का भूकंप

वेलिंगटन। सुदूर प्रशांत क्षेत्र में शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया जिससे वनुआतू के पास सुनामी का खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि लॉयल्टी द्वीपसमूह के पास आये भूकंप का केंद्र जमीन से 37 किलोमीटर गहराई में था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि वनुआतू में ज्वार से एक मीटर (3 फुट) ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटना में चार की मौत

पुल-ए-खुमरी। अफगानिस्तान के उत्तरी बगलान प्रांत की प्रांतीय राजधानी पुल-ए-खुमरी के बाहर बृहस्पतिवार को एक कार के नहर में गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गयी और एक अन्य घायल हो गया। प्रांतीय पुलिस के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। प्रवक्ता मौलवी शिर अहमद बुरहानी के अनुसार चालक के लापरवाही से ड्राइविंग करने के कारण कार पुल-ए-खुमरी शहर के बाहर नहर में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में दो बच्चों सहित चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और चालक घायल हो गया।

नाटो को मजबूत करने के लिए इटली भेजेगा 3,400 सैनिक

रोम। इटली उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के पूर्वी हिस्से को मजबूत करने के लिए इस वर्ष 30 विमानों का उपयोग करके 3,400 सैनिकों को भेजेगा। इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इतालवी समाचार पत्र 'कोरिएरे डेला सेरा' ने क्रोसेटो के हवाले से कहा, रक्षा मंत्रालय पूर्वी भाग में नाटो द्वारा कार्यान्वित की जा रही पहलों में भाग लेना जारी रखेगा, वह 600 उपकरण इकाइयां, पांच समुद्री और लगभग 30 हवाई इकाइयां सहित 2023 में कुल 3,400 सैन्य कर्मियों को भेजने के लिए प्रतिबद्ध है।

एनआईए ने कनाडा के 'सूचीबद्ध आतंकी' के दो गुर्गों को पकड़ा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को कनाडा स्थित 'सूचीबद्ध आतंकवादी' अर्श ढल्ला के दो 'वांछित' करीबी सहयोगियों को गिरफ्तार किया, जब वे फिलीपींस के मनीला से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय ह्वाई अड्डे (आईजीआईए) पहुंचे, जहां वे रह रहे हैं। अमृतपाल सिंह उर्फ अम्मी और अमृत सिंह के रूप में पहचाने गए दोनों पंजाब के रहने वाले थे, जिन्हें एनआईए ने सुबह के ऑपरेशन में पकड़ा था, जिनकी टीम ह्वाई अड्डे पर उनकी उड़ान के उतरने की प्रतीक्षा कर रही थी।

आरोपियों के खिलाफ भारत में प्रतिबंधित संगठनों की गैरकानूनी और हिंसक गतिविधियों से जुड़े एक मामले में एनआईए दिल्ली कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इनके खिलाफ पंजाब में कई आपराधिक मामले भी दर्ज हैं। एनआईए ने पिछले साल 20 अगस्त को आईपीसी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत एक स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला (आरसी-37/2022/एनआईए/डीएलआई) दर्ज किया था। एनआईए की जांच में पता चला है कि आरोपियों ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के लिए धन जुटाने और सीमा पार से इसके लिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक की तस्करी करने के लिए एक आपराधिक साजिश रची थी।

आरोपी भारत में केटीएफ की हिंसक आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत नामित आतंकवादी अर्शदीप सिंह ढल्ला के लिए काम कर रहा था। एक अन्य कुख्यात वांछित अभियुक्त मनप्रीत सिंह उर्फपीता के साथ मिलकर, वे केटीएफ के इशारे पर पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी और देश में हिंसा और आतंक के कृत्यों को अंजाम देने के लिए युवाओं की भर्ती में शामिल थे। वे प्रतिबंधित संगठन के लिए धन जुटाने के एक जबरन वसूली रैकेट का भी हिस्सा थे। आरोपी व्यवसायियों सहित जबरन वसूली के लक्ष्य की पहचान करते थे और फिर उन्हें बड़ी रकम देने की धमकी देते थे। यदि चिन्हित लक्ष्यों से इनकार किया जाता है, तो उनके घरों और अन्य परिसरों को अभियुक्तों के भारत स्थित सहयोगियों द्वारा निकाल दिया जाएगा।

■ दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय ह्वाई अड्डे से गिरफ्तार

गिरफ्तारियां एनआईए की व्यक्तिगत आतंकवादियों और आतंकवादी साजो-सामान, जैसे हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक आदि की तस्करी करने और भारतीय धरती पर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन जुटाने की आपराधिक साजिश में शामिल आतंकवादी संगठनों पर लगातार कार्रवाई का हिस्सा थी। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

अर्श को भी इसी साल गृह मंत्रालय ने आतंकी घोषित किया था। उसका असली नाम अर्शदीप सिंह गिल है। अर्श सारे ऑपरेशन की रूपरेखा तैयार करता था। फिलीपींस में बैठकर गैंगस्टर मनप्रीत और अमृतपाल उसको संभालते थे। अमृतपाल पंजाब के मोगा का रहने वाला है। अर्श भी मोगा में रहता था लेकिन लंबे वक्त से वो फिलीपींस में मौजूद था। उसके इशारे पर पंजाब में कई खूनी वारदात को अंजाम भी दिया गया। इंटरपोल और सेंट्रल एजेंसी और इंटरनेशनल एजेंसी की मदद से भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। विदेशों में बैठकर भारत के खिलाफ ये लोग साजिश रचते है। इनके दिमाग में ये बात बैठी होती है कि यहां उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा। भारत में खालिस्तानी आतंक की जड़े कई देशों से जुड़ी हुई है।

अमृतपाल सिंह का आका अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला पहले तो गैंगस्टर था लेकिन इसके हौसले बढ़ते गए।

आपदाओं से नुकसान को कम करने के लिए बना रहे योजनाएं

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को बताया है कि वह विभिन्न आपदाओं से होने वाला नुकसान कम करने के मुद्दे को काफी अहमियत देता है और बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, लू और बिजली गिरने सहित सभी आपदाओं से होने वाली जान-माल की हानि को घटाने के लिए महत्वाकांक्षी शमन कार्यक्रम विकसित कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने बृहस्पतिवार को यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्ण सत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए सेंदाई कार्ययोजना की मध्यावधि समीक्षा के एक सत्र में कहा कि भारत में आपदा जोखिम में कमी एक 'सार्वजनिक नीति का केंद्रीय मुद्दा' है। मिश्रा संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 18-19 मई को आयोजित इस उच्च-स्तरीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत सदस्य देश 'आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए एक कार्य समूह' का गठन करने पर सहमत हुए हैं।

■ भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा से कहा

■ भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत सदस्य देश 'आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए एक कार्य समूह' का गठन करने पर सहमत हुए

मिश्रा ने कहा, 'जी20 कार्य समूह द्वारा जिन पांच प्राथमिकताओं की पहचान की गई है, उनमें सभी के लिए प्रारंभिक चेतावनी, लचीला बुनियादी ढांचा, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के लिए बेहतर वित्तपोषण, प्रतिक्रिया के लिए प्रणाली एवं क्षमताओं में सुधार और डीआरआर के लिए इको-सिस्टम आधारित दृष्टिकोण शामिल है। ये प्राथमिकताएं वैश्विक स्तर पर सेंदाई कार्ययोजना से जुड़े लक्ष्यों की प्राप्ति में अतिरिक्त सहायता प्रदान करेंगी।' उन्होंने संरा महासभा को बताया कि भारत ने आपदा जोखिम में कमी के लिए निर्धारित धनराशि में काफी वृद्धि की है और आपदा जोखिम प्रबंधन से जुड़ी जरूरतों (आपदा जोखिम न्यूनीकरण, तैयारी, प्रतिक्रिया, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण) का समर्थन करने के लिए अपने वित्तपोषण ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

ईरान : सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा मामले में तीन को मृत्युदंड

दुबई (एपी)। ईरान ने पिछले साल सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा के आरोपी तीन लोगों को शुक्रवार को मृत्युदंड दे दिया। उसने मानवाधिकार संगठनों के विरोध के बावजूद यह कदम उठाया।

न्यायपालिका की वेबसाइट मिजान ने तीनों आरोपियों-माजिद कजेमी, सालेह मीरह्माशमी और सईद यघूबी को मृत्युदंड दिए जाने की जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि माजिद, सालेह और सईद ने पिछले साल नवम्बर में राष्ट्रीय स्तर पर हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान इस्फहान में एक पुलिस अधिकारी और अर्धसैनिक बासिज समूह के दो सदस्यों की हत्या कर दी थी। वहीं, मानवाधिकार समूहों ने कहा कि तीनों आरोपियों को हिरासत में काफी प्रताड़ित किया गया, उनसे टेलीविजन पर जबरन इकबालिया बयान दिलवाए गए और उन्हें सजा देने के लिए उचित न्यायिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

ईरान में पिछले साल सितम्बर में सख्त इस्लामी ड्रेस कोड का कथित रूप से उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार की गई 22 वर्षीय महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर सरकार-विरोधी प्रदर्शन भड़क उठे थे। इस दौरान सरकारी बलों ने कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया था। सरकार विरोधी प्रदर्शनों के सिलसिले में सात लोगों को मृत्युदंड दिया जा चुका है।

डीईआरसी के अध्यक्ष की नियुक्ति में रोड़ा अटकाने पर एलजी को फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के अध्यक्ष की नियुक्ति के प्रस्ताव को पांच माह से अधिक समय तक टालने पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल को जमकर फटकार लगाई। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज, जस्टिस राजीव कुमार श्रीवास्तव को डीईआरसी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने में एलजी की ओर से देरी से नाराज दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की।

■ चुनी हुई सरकार का अपमान नहीं कर सकते उपराज्यपाल

चीफ जस्टिस धनंजय चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिं ह्मा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने मामले की सुनवाई की। दिल्ली सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट डॉ अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत को बताया कि एलजी को प्रस्ताव भेजे हुए पांच महीने बीत चुके है। हालांकि, एलजी यह कहकर अपने फैसले में देरी कर रहे थे कि नियुक्ति करने के लिए दिल्ली ह्मईकोर्ट के चीफ जस्टिस की सहमति की आवश्यकता है या नही, यह पता लगाने के लिए उन्हें कानूनी राय की आवश्यकता है।

इस संदर्भ में, सिंघवी ने बताया कि विद्युत अधिनियम की धारा 84(2) के अनुसार, नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति के मूल ह्मईकोर्ट के चीफ जस्टिस के साथ परामर्श की आवश्यकता थी। सीजेआई ने उसी पर सहमति व्यक्त करते हुए मौखिक टिप्पणी की- 'यदि नियुक्त किया जा रहा व्यक्ति मद्रास ह्मईकोर्ट का न्यायाधीश था, तो किससे परामर्श किया जाएगा? यह मद्रास ह्मईकोर्ट का चीफ जस्टिस होगा। यह कोई अन्य ह्मईकोर्ट क्यों होगा?'

एलजी की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, एलजी एंट्री 1, 2 और 18 से संबंधित मामलों पर स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते है। उन्होंने आगे कहा, अन्य मामलों में, यदि कोई मतभेद है, तो राज्यपाल राष्ट्रपति को संदर्भित कर सकता है और उस निर्णय के लंबित रहने तक, राज्यपाल अपने दम पर कार्य कर सकता है। इस पर सीजेआई चंद्रचूड ने कहा, गवर्नर इस तरह एक सरकार का अपमान नही कर सकते।

अमेरिका : भारतीय बच्चों की सुरक्षा के लिए फिर बिल पेश

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्यों राजा कृष्णमूर्ति और एमी बेरा सहित अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने लंबी अवधि के वीजा धारकों के बच्चों को 21 साल की उम्र में स्व-निर्वासित होने से बचाने के लिए एक द्विदलीय विधेयक फिर से पेश किया है।

कांग्रेस महिला डेबोरा रॉस और सीनेटर एलेक्स पाडिला, जिनके साथ 40 से अधिक ऐसे बच्चे हैं, जिन्हें डॉक्यूमेंटेड ड्रीमर्स भी कहा जाता है, ने बुधवार को कैपिटल हिल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के बाल अधिनियम को फिर से शुरू करने की घोषणा की। 250,000 से अधिक बच्चे और युवा वयस्क लंबी अवधि के गैर-आप्रवासी वीजा धारकों के आश्रितों के रूप में अमेरिका में रह रहे हैं, इनमें एच-1बी, एल-1, ई-1 और ई-2 कर्मचारी शामिल हैं। बेरा ने कहा, ये युवा हमारे देश के ताने-बाने का हिस्सा हैं, हमारी अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं और हमारे समुदायों को समृद्ध कर रहे हैं। यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम इन युवाओं को स्थायी निवास का मार्ग प्रदान करें और भविष्य को अकेले छोड़ने के खतरे से मुक्त करें। ये व्यक्ति अमेरिका में पले-बढ़े हैं, अमेरिकी स्कूलों में पढ़ते हैं और अमेरिकी विश्वविद्यालयों से स्नातक हैं। उन्होंने कानूनी स्थिति बनाए रखी है।

डीएसीए कार्यक्रम योग्य युवा वयस्कों की रक्षा के लिए बनाया गया था, जिन्हें निर्वासन से बच्चों के रूप में अमेरिका लाया गया था और उन्हें अस्थायी, नवीकरणीय अवधि के लिए कार्य प्राधिकरण प्रदान करने के लिए बनाया गया था। अमेरिका का चिल्ड्रन एक्ट बिल डॉक्यूमेंटेड ड्रीमर्स को स्थायी निवास प्राप्त करने की अनुमति देगा है यदि उन्हें रोजगार वीजा के तहत भर्ती किए गए श्रमिकों के आश्रित बच्चों के रूप में देश में लाया गया हो, 10 वर्षों के लिए अमेरिका में स्थिति बनाए रखी हो (आश्रितों के रूप में आठ वर्षों सहित), और स्नातक की उपाधि प्राप्त की हो। यह बिल किसी भी बच्चे की रक्षा करेगा, जो 21 वर्ष की आयु से पहले आठ साल की कुल अवधि के लिए देश में एक रोजगार-आधारित गैर-आप्रवासी के आश्रित के रूप में उन्हें अपने माता-पिता के गैर-आप्रवासी वीजा पर निर्भर रहने की अनुमति देता है।

■ लंबी अवधि के वीजा धारकों के बच्चों को 21 साल की उम्र में स्व-निर्वासित होने से बचाएगा यह बिल

यह एज-आउट सुरक्षा भी स्थापित करेगा, जो एक बच्चे की उम्र को उस तारीख में लॉक कर देता है, जिस दिन उसके माता-पिता ग्रीन कार्ड के लिए फाइल करते हैं, और एज-आउट सुरक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले व्यक्ति यों के लिए कार्य प्राधिकरण प्रदान करते हैं। कैलिफोर्निया के सीनेटर पैडीला ने कहा, ये डॉक्यूमेंटेड ड्रीमर्स एक को छोड़कर हर तरह से अमेरिकी हैं, उनके माता-पिता का ग्रीन कार्ड लाल फीताशाही में बंधा हुआ है। उन्होंने कहा, यह कानून केवल अप्रवासन सुधार से अधिक के बारे में है, यह एक नैतिक गलत को सही करने के बारे में है जो हमारे अप्रवासन प्रणाली का उपोत्पाद है।

डॉक्यूमेंटेड ड्रीमर्स का समर्थन करने वाली संस्था इम्प्रूव द ड्रीम के संस्थापक दीप पटेल ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा, इस खामी को ठीक करने से यह सुनिश्चित होगा कि अमेरिका अपने द्वारा उठाए गए और शिक्षित बच्चों के योगदान का लाभ उठाएगा।

इमरान खान को मिली बड़ी राहत

लाहौर (भाषा)। पाकिस्तान की एक आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने नौ मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा को लेकर उनके खिलाफ दर्ज तीन मामलों में उन्हें शुक्रवार को गिरफ्तारी पूर्व जमानत दे दी। इमरान अपने वाहन को लाहौर एटीसी परिसर में दाखिल होने की इजाजत मिलने के बाद शुक्रवार को अदालत के समक्ष पेश हुए।

लाहौर एटीसी ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान (70) को आतंकवाद से जुड़े तीन मामलों में दो जून तक गिरफ्तारी से राहत प्रदान करते हुए जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। इस पर, इमरान ने अदालत को आश्वासन दिया कि वह जांच में सहयोग करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ दर्ज इन तीन मामलों में से एक लाहौर में जिन्ना होउस पर हुए हमले से संबंधित है। एटीसी कक्ष में पत्रकारों से मुखातिब इमरान ने कहा कि हर कोई सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों की निंदा कर रहा है। उन्होंने इन हमलों की जांच कराने की मांग भी की। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने लाहौर में शीर्ष सैन्य अधिकारी के आवास पर हुए हमले की निंदा करते हुए अभी तक कोई बयान क्यों नहीं जारी किया है? इमरान ने कहा, 'मैं पहले ही ऐसा कर चुका हूं... लाहौर में जिन्ना होउस पर हमले की निंदा कौन नहीं कर रहा है? मुझे पाकिस्तान के किसी एक शख्स का नाम बताइए, जो ऐसा नहीं कर रहा है।'

पूर्व प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली सरकार उनकी पार्टी पीटीआई को सेना के खिलाफ पेश करके उसे मुख्यधारा की राजनीति से हटाना चाहती है। इमरान ने कहा कि उन्होंने पिछले 35 वर्षों में इस तरह की 'कार्रवाई' कभी नहीं देखी। उन्होंने आरोप लगाया, 'ऐसा लगता है कि जैसे सभी नागरिक स्वतंत्रताएं और सभी मौलिक अधिकार खत्म हो गए हैं। अब केवल अदालतें मानवाधिकारों की रक्षा कर रही हैं।' 'द डॉन' अखबार में प्रकाशित खबर के मुताबिक, पीटीआई प्रमुख ने जोर देकर कहा कि वह 'आखिरी गेंद तक' लड़ना जारी रखेंगे।

इमरान के आवास की तलाशी के लिए पुलिस को मिला वारंट

लाहौर (वार्ता)। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के आवास की तलाशी लेने के लिए अदालत से शुक्रवार को वारंट प्राप्त किया।

पंजाब सरकार ने खान के जमान पार्क स्थित आवास में तलाशी अभियान चलाने से पहले पीटीआई नेतृत्व के साथ बातचीत करने के लिए एक टीम भेजने का फैसला किया था। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधीक्षक रैक का एक अधिकारी पार्टी का नेतृत्व करेगा जिसमें महिला कर्मी भी शामिल होंगी। कमिश्नर लाहौर डिवीजन सर्च टीम के साथ रहेंगे। इससे पहले, लाहौर कैपिटल सिटी पुलिस अधिकार बिलाल सद्दीक काम्याना ने खान के आवास से भागने की कोशिश कर रहे छह और 'आतंकवादियों' को गिरफ्तार करने का दावा किया था। काम्याना के अनुसार कथित आतंकवादियों में से चार अस्करी टॉवर पर हमले में शामिल थे, जबकि उनमें से दो कोर कमांडर हाउस लाहौर में तोड़फोड़ करने वालों में से थे।

राहुल अब अमेरिका में खोलेंगे मोहब्बत की दुकान

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 28 मई को अमेरिका के लिए रवाना होंगे। वे यहां स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वे 29-30 मई को प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात करेंगे। पहले कहा जा रहा था कि वे 31 मई से 10 दिनों के लिए अमेरिका दौरे पर जाएंगे।

■ 28 मई से 10 दिन के दौरे पर

30 मई को सांटा क्लारा में 'मोहब्बत की दुकान' खोलेंगे। राहुल के इस कार्यक्रम के पोस्टर भी जारी हो गए है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के कार्यक्रम का पोस्टर जारी किया गया है।

इसमें लिखा है 'मोहब्बत की दुकान' इवेंट इन बे एरिया। धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक भारत के लिए ह्मथ मिलाइये। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो गया है। पोस्टर में हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। इससे पहले राहुल गांधी इसी साल मार्च में ब्रिटेन दौरे पर गए थे। राहुल का ये दौरा काफी सुर्खियों में रहा था। इस दौरान उन्होंने अलग अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था और मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा था। राहुल ने भारत में लोकतंत्र, मीडिया की स्वतंत्रता, बोलने की आजादी, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार समेत तमाम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी थी।

बॉलीवुड अभिनेता भाइयों आयुष्मान खुराना और अपारशक्ति खुराना के पिता एवं प्रख्यात एस्ट्रोलॉजर पी खुराना का शुक्रवार को मोहाली के एक अस्पताल में निधन हो गया। मनीमाजरा स्थित श्मशान घाट पर पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देते दोनों अभिनेता भाई। बीते बुधवार को ही पी खुराना का जन्मदिन था। शनिवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में आयुष्मान खुराना को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के हाथों कला रत्न अवार्ड मिलना है। फोटो : एसएनबी

8.5 वर्षों में हरियाणा में नए युग का हुआ सूत्रपात

चंडीगढ़ । हरित क्रांति में खाद्यान्नों के उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाला कृषि प्रधान हरियाणा अब विगत 8 वर्षों में सड़क, रेल व हवाई तंत्र को सुदृढ़ करने में आगे बढ़ रहा है। इन क्षेत्रों में राज्य ने एक नए युग का सूत्रपात किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के अथक प्रयासों से केंद्र सरकार ने हरियाणा की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को त्वरित स्वीकृति प्रदान की है और अनेक परियोजनाएं इस कार्यकाल में पूरी भी हुई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कई केंद्रीय मंत्रियों ने खुद हरियाणा आकर कई परियोजनाओं का लोकार्पण किया है।

भारतमाला परियोजना के तहत भी प्रदेश में कई नये ह्मइवे का काम प्रगति पर है और अब तो प्रदेश के कई शहर 5-5 नेशनल ह्मइवे से जुड़ गए हैं, जिससे न केवल लोगों को आवागमन की सुविधा मिली है, बल्कि औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। बीते बृहस्पतिवार को ही हरियाणा को द्वारका एक्सप्रेस-वे के रूप में एक और एक्सप्रेस-वे का तोहफा मिला है।

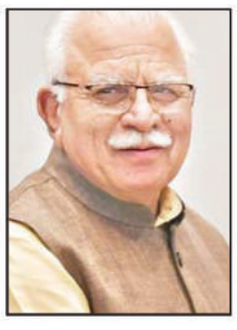

दिल्ली, एनसीआर समेत प्रदेश में यातायात सुगम बनाने पर शुरू से रहा फोकस : दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यातायात अवरुद्धता से मुख्यमंत्री भली-भांति परिचित थे और उन्होंने वर्ष 2014 में सत्ता संभालते ही लोगों को इस समस्या से निजात दिलाने की ठान ली थी। सर्वप्रथम उन्होंने हरियाणा के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे, जो लंबे अरसे से राजनीतिक विवादों के कारण सिरे चढ़ नहीं पा रही थी, को न केवल पूरा करवाया, बल्कि इसे फोरलेन से छह लेन का करवाया।

मेट्रो व रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को भी किया जा रहा है मजबूत : दिल्ली मेट्रो को गुरुग्राम, बल्लभगढ़ तक विस्तारित किया और अब गुरुग्राम से फरीदाबाद के बीच भी मेट्रो प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से तैयार किया गया है, जो आगामी 2 वर्षों में पूरा हो जाएगा। पलवल से सोनीपत तक रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान करने की मुख्यमंत्री की मनोहर सोच के अनुरूप हरियाणा अर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना अस्तित्व में आई, जिसके तहत मानेसर से पाटली तक प्राथमिकता खंड का निर्माण कार्य लगभग 176 करोड़ रुपये की लागत से प्रगति पर है और वर्ष 2024 तक पूरा होने का अनुमान है।

3.5 साल में हुआ 34000 करोड़ का निवेश : दुष्यंत

पानीपत/चंडीगढ़। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा-जजपा की गठबंधन सरकार के प्रयासों से प्रदेश में पिछले साढ़े तीन साल में करीब 34000 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है और मारुति-सुजुकी प्लांट जैसे कई बड़े उद्योग हरियाणा में स्थापित हो रहे है। प्रदेश में हुए इतने बड़े निवेश से राज्य के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बन रहे है।

इसी तरह गुरुग्राम ग्लोबल सिटी प्रोजेक्ट पर सरकार काम कर रही है और जल्द ही नीलामी प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। नगर निकाय चुनावों के संबंध में हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि राज्य सरकार ने पिछड़ा वर्ग-ए को नगर निकायों में आरक्षण देने का प्रावधान किया है और इसके निर्धारण होने पर निकाय चुनाव करवाए जाएंगे। अभी दो जगहों पर वार्डबंदी का कार्य चल रहा है। दुष्यंत शुक्रवार को सोनीपत में मीडिया के सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत चुनाव में भी सरकार ने वादे मुताबिक बीसीए वर्ग को 8 प्रतिशत आरक्षण दिया था और इस दौरान चुनाव के लिए इंतजार भी करना पड़ा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अब नगर निकायों में भी बीसीए वर्ग को आरक्षण दिया गया है और वार्डबंदी पूरी होने पर नई व्यवस्था के हिसाब से चुनाव होंगे। बाद में डिप्टी सीएम ने पानीपत जिले में करीब 30 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, जहां शहरवासियों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

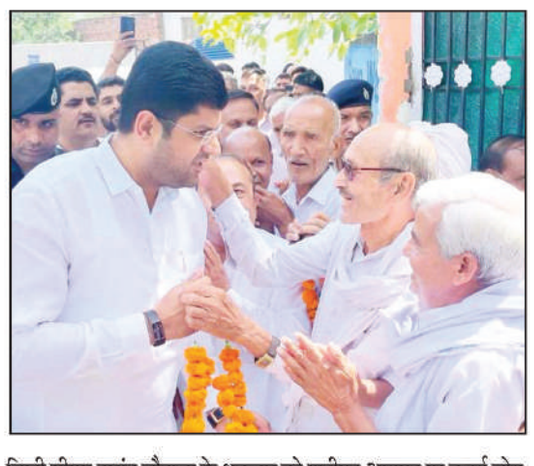

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के शुक्रवार को पानीपत आगमन पर बुजुर्ग लोग उन्हें फूलमालाए पहनाने के बाद स्नेह से दुलारते हुए। फोटो : एसएनबी

लूट के स्विफ्ट डिजायर के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, दो की तलाश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। गत दिनों फूलपुर थाना क्षेत्र से सुरही के पास से असलहे से आतंकित कर लूटी गई स्विफ्ट डिजायर कार को पुलिस टीम ने कार को बरामद करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर किया। इस बाबत बाबतपुर स्थित डीसीपी कार्यालय में पत्रकारों को जानकरी देते हुए डीसीपी विक्रांत वीर ने बताया कि 15 मई को अल्लापुर चुंगी, प्रयागराज से बाबतपुर तक कार में सवारी के रूप में बैठे दो अज्ञात व्यक्ति द्वारा कार चालक को असलहे से डरा कर सुरही के पास स्विफ्ट डिजायर कार संख्या वढ 70 जेटी 9529 को लूट लिया गया था। जिसके संबंध में थाना फूलपुर में धारा 394 पंजीकृत किया गया था।

घटना के खुलासे के लिए एसीपी पिण्डरा के नेतृत्व में एसओजी, स्वाट, सर्विलांस व थाना फूलपुर की टीम गठित कर निर्देशित किया गया था । लगातार दबिश के क्रम में 20 मई को उक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर दबेथुआ के पास चेकिंग के दौरान लूटी गई स्विफ्ट डिजायर कार को घेर कर पकड़ लिया गया। कार में बैठे युवक विकेश कुमार सिंह पुत्र धीरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम नवादा तथा कार चालक मुन्ना कुमार यादव पुत्र श्रीराम प्रसाद यादव निवासी ग्राम बरकटिया, दोनो थाना श्रीरामपुर, जनपद देवरिया को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया कि वह लोग बिहार में शराब तस्करी का काम करते हैं। ज्यादा पैसा कमाने के लिए उन लोगों द्वारा कार को लूटने व उसका नम्बर बदल कर अधिक मात्रा में शराब की तस्करी करने की योजना थी। योजना को सफल बनाने के लिए अल्लापुर चुंगी, जनपद प्रयागराज से सवारी के रुप में कार को भाड़े पर लेकर तथा एक व्यक्ति द्वारा बाइक से पीछा करते हुए सुरही के पास हाइवे पर असलहे से फायर कर स्विफ्ट डिजायर कार को लूट लिए थे। आज हम लोगों द्वारा गाड़ी का नम्बर बदल कर देवरिया ले जाने की योजना थी कि पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। वही डीसीपी ने उक्त घटना संलिप्त व वांछित दो अभियुक्तों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया। घटना के खुलासे व गिरफ्तार करने वाले में चौकी प्रभारी कठिराँव विवेक पाठक, उ0नि0 धर्मचन्द्र, उ0नि0 विवेकानन्द द्विवेदी, उ0नि0 विरेन्द्र कुमार तथा एसओजी टीम के निरीक्षक सुनील सिंह, उ0नि0 मनीष कुमार मिश्रा (प्रभारी स्वाट टीम), उ0नि0 आदित्य मिश्रा एसओजी के अनेक सिपाही रहे।

ऑक्सफोर्ड के मेधावी छात्र हुए सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शनिवार को मेधावी छात्र छात्राओं का प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। जिसमें ज्यादातर छात्र 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले रहे। सीबीएससी बोर्ड से संचालित उक्त स्कूल में मेधावी छात्रो को स्कॉलरशिप देने की घोषणा की गई। पूर्व ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह ने मेधावी छात्र छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देते हुए कहाकि जीवन मे सफलता का कोई शार्ट कट नही होता है। परिश्रम ही सफलता का मार्ग है। इस दौरान हाईस्कूल के छात्र अवनीश यादव, आस्था चौबे, काजल वर्मा, सौरभ यादव, अनामिका यादव, ऋषभ गुप्ता तथा इंटरमीडिएट के छात्र पवन त्रिपाठी,अभिनव प्रजापति भूमि सिंह को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रबन्धक संजीव सिंह, प्रिंसिपल रामानुज यादव, हीरासिंह पंगतेय, दिनेश सिंह, आरती सिंह, संजीव श्रीवास्तव, सुरेश यादव व वीरेंद्र प्रजापति समेत अनेक अभिभावक उपस्थित रहे।

ईओ अनिल कुमार सिंह ने पॉलीथिन का प्रयोग न करने हेतु लोगो को किया जागरूक

प्रखर बदलापुर जौनपुर। नगर पंचायत बदलापुर के प्रत्येक वार्डो में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष साप्ताहिक सफाई अभियान के अंतर्गत शनिवार को नोडल अधिकारी ने निरीक्षण किया। इस दौरान नोडल अधिकारी ने वार्डो की साफ सफाई व्यवस्था को जाकर देखा विशेष साप्ताहिक साफ सफाई अभियान के अंतर्गत चल रहे कार्यो का नोडल अधिकारी शाही जमाल द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने वार्ड गल्ला मंडी चंदन शहीद मार्ग, सरोखनपुर आदि में पहुचकर साफ सफाई, कूड़ा निस्तारण, फांगिंग आदि को देखा। वार्डो और एमआरएफ सेंटर व तालाब की साफ- सफाई की व्यवस्था देख नोडल अधिकारी प्रसन्न दिखे उन्होंने ईओ अनिल कुमार सिंह व उनकी टीम की सराहना भी किया। वही निरीक्षण के बाद ईओ अनिल कुमार सिंह ने स्थानीय लोगों को पॉलीथिन का प्रयोग न करने के लिए अपील किया ईओ ने लोगो से कस्बे में साफ सफाई की व्यवस्था में सहयोग के लिए भी आग्रह किया इस दौरान ईओ अनिल कुमार सिंह, प्रवेश कुमार सिंह, गणेश, जितेंद्र, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

बनारस स्टेशन परिसर में स्थापित रेस्टूरेंट ऑन व्हील का भव्य उद्घाटन

प्रखर वाराणसी। बनारस स्टेशन परिसर में स्थापित रेस्टूरेंट ऑन व्हील का उदघाटन विधायक कैंट सौरभ श्रीवास्तव द्वारा आज 20 मई,2023 को प्रातः 10 बजे फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (Enhm) अलोक केशरवानी, सहायक सुरक्षा आयुक्त उग्रसेन सिंह, रेस्टूरेंट संचालक विरेन्द्र यादव और वरुण सिंह एवं स्टेशन के कर्मचारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सम्पूर्ण भारतीय रेलवे में यात्रियों की सुविधा के लिए सभी स्टेशनों एवं गाड़ियों का पूर्ण रूप से कायाकल्प किया जा रहा है। इसी क्रम में बनारस वासियों एवं रेल यात्रियों को बेहतरीन खान-पण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बनारस स्टेशन परिसर में रेस्टूरेंट ऑन व्हील की सुविधा प्रदान की गयी है। उन्होंने इस अनोखी सुविधा को उपलब्ध कराने के लिए वाराणसी मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सराहना करते हुए साधुवाद दिया माननीय विधायक एवं मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन परिसर में स्थापित रेस्टुरेंट ऑन व्हील का नवस्थापित रेस्टुरेंट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय ने औपचारिक वक्तव्य में बताया की पूर्वोत्तर रेलवे का यह पहला रेस्टुरेंट ऑन व्हील है जिसकी पहल रेल राजस्व को बढ़ाने के लिए की गयी है। यह रेस्टुरेंट एक अनूठी पहल है जिसमें आम जन एवं रेल यात्रियों को अनोखेपन के अहसास एवं लजीज व्यंजनों के साथ-साथ फ्री वाई-फाई,वीडियो पैनल पर दर्शनीय स्थलों की जानकारी जैसी बेहतरीन सुविधाएँ मिलेंगी। इस रेस्टुरेंट की स्थापना के लिए रेलवे ने बनारस स्टेशन परिसर में स्थान के साथ एक परित्यक्त कोच एवं रेलवे ट्रैक उपलब्ध कराया गया था , जिसका रंगरोगन एवं साज-सज्जा रेस्टुरेंट संचालक द्वारा व्यवसायिक दृष्टिकोंण से करवा कर वर्तमान स्वरूप दिया गया है।

भाकियू (अम्बावता) के जिलाध्यक्ष ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रखर कुशीनगर। बताते चले आज दिनाँक 20 मई 2023 को भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह अपने तीन सूत्रीय माँगों का ज्ञापन सूबे के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी से सम्बोधन एडीएम को सौपते हुए अगवत कराया है कि, 2017 में जब सूबे में आपके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तब आपने एक आदेश जारी किया कि, 15 जून 2017 तक प्रदेश में जो सड़के गढ्ढायुक्त है उन्हें गढ्ढामुक्त कराया जायेगा और किसानों के गन्ने का भुगतान उनके खाते में 14 दिन में पहुँच जायेगा मगर बड़े ही दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि, आपके दूसरे कार्यकाल में भी आपके आदेश का पालन नही होना भाजपा के कथनी और करनी में कितना फर्क है उसे चरितार्थ करता है। जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने ज्ञापन द्वारा माँग किया है कि, जनपद कुशीनगर के कप्तानगंज-रामकोला यन०यच० 730 से जो सड़क लक्ष्मीगंज मेन बाजार को जाता है उस सड़क की हालत बेहद खराब हो चुका है सड़क पर इतने गढ्ढे हो चुके है कि यात्रियों के आने और जाने में खतरों से गुजरना पड़ रहा है। बरसात का मौसम आने वाला है यदि समय से पहले सड़क का निर्माण नही हुआ तो बड़ा हादसा होने में देर नही लगेगा। इस सड़क को तत्काल बनवाया जाय। जनपद कुशीनगर के कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने का भुगतान पेराई सत्र 2021-22 का लगभग 38 करोड़ बकाया है और मिल मालिक भुगतान करने में किसानों को विगत वर्षों से परेशान कर रहा है। बच्चों की शादी-ब्याह, पढ़ाई-लिखाई इसी गन्ने के भुगतान के सहारे होता है। इस क्षेत्र के किसानों का परिवार भुगतान नही मिलने के वजह से भूखमरी का शिकार हो रहा है! किसान गन्ने के भुगतान के लिये लगातार मिल का चक्कर लगा रहे है और भुगतान अभी तक नही होना किसानों के साथ धोखा है। सरकार के आदेशानुसार किसानों ने अपने गन्ने को कप्तानगंज चीनी मिल को दिया था। यदि गन्ना भुगतान होने में किसानों को कोई परेशानी हो रही है तो उसकी नैतिक जिम्मेदारी सरकार की भी बनती है। किसानों की जटिल समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा कोई ठोस उपाय किया जाय ताकि किसानों के गाढ़ी कमाई का रुपया मिल सके। जनपद गोरखपुर की पिपराईच सरकारी चीनी मिल किसानों के गन्ने का भुगतान 14 दिन में कराने में असमर्थ है। एक सप्ताह पहले किसानों के गन्ने का सम्पूर्ण भुगतान पिपराईच चीनी मिल पर लगभग 8688.13 लाख रुपये बकाया था। सरकार किसानों के गन्ने का भुगतान तत्काल करावे ताकि किसान भुगतान नही होने के वजह से जो परेशानी झेल रहे है उससे उनको राहत मिल सके। अन्त में जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने सरकार को चेताया है कि, यदि उपरोक्त माँगों के ऊपर 15 दिन में कोई ठोस कार्यवाही नही हुआ तो हमारा यूनियन सम्बैधानिक और गाँधीवादी तरीके से धरना प्रदर्शन करने पर वाध्य होगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर चेतई प्रसाद, जिला सचिव, गोबर्धन,रामपति, मोंटू, कृष्णा सिंह के साथ साथ अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मान्धाता हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. विजय सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर निःशुल्क चिकित्सा व रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रखर वाराणसी। वाराणसी जनपद के मीरापुर- बसही में स्थित मान्धाता हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर के संस्थापक डॉक्टर विजय कुमार सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन में मरीजों की जांच के साथ दवा भी निःशुल्क वितरित की गई। बता दें कि एक दिवसीय शिविर में सैकड़ों मरीजों ने हिस्सा लिया और विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। साथ ही चिकित्सकों द्वारा मरीजों को निःशुल्क दवा भी दिया गया। रक्तदान शिविर में दर्जनों की संख्या में हॉस्पिटल कर्मी व अन्य लोग पहुंचकर रक्तदान किए। कहा जाता है कि रक्तदान से किसी को जीवनदान मिलता है। रक्तदान करना सबसे पुण्य का काम है। इसी को लेकर मान्धाता हॉस्पिटल ने एक दिवसीय शिविर का आयोजन कर असहाय व गरीबों को लाभ पहुंचाया। शिविर में मुख्य रूप से परामर्श देने वाले डॉक्टरों में मान्धाता हॉस्पिटल की मुख्य डॉक्टर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आकांक्षा सिंह, शुगर एवं थायराइड रोग विशेषज्ञ डॉ आकाश कुमार सिंह, डॉ अरशद अली हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ, डॉ राजेश सिंह थायराइड एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर बृजेश कुमार न्यूरो सर्जन, डॉक्टर राशिद परवेज चेस्ट सर्जन, डॉक्टर एस के मिश्रा लेप्रोस्कोपिक सर्जन एवं डॉ प्रशांत सिंह जनरल फिजिशियन ने सैकड़ों की संख्या में मरीजों को चिकित्सा परामर्श दिया और उनको दवा वितरित किया। उपस्थित जनो में हॉस्पिटल के मैनेजर अंशुकांत मिश्रा, जितेंद्र यादव व दिनेश यादव के साथ तमाम हॉस्पिटल कर्मी उपस्थित रहे।

अमजद अली इंटरमीडिएट कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रखर गंभीरपुर/ आजमगढ़। अमजद अली इंटरमीडिएट कॉलेज मोहम्मदपुर सदर आजमगढ़ में "प्रतिभा सम्मान समारोह"का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ जमाल अमजद ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अदील अमजद एडवोकेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम शुरूआत तिलावते कलाम पाक से की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम संयोजक आलोक कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय में प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं के बारे में जानकारी दी। इसके बाद प्रबंधक डॉ जमाल द्वारा इंटरमीडिएट में उत्तर प्रदेश में पांचवा स्थान और आजमगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त अमजद अली इंटरमीडिएट कालेज के छात्र ऐबाद तारिक का मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र तथा अंगवस्त्रम देकर सम्मान किया गया। तत्पश्चात उप प्रबंधक आदिल अमजद द्वारा "अमजद शिक्षा भूषण सम्मान "के अंतर्गत इंटरमीडिएट के छात्र आर्यन जयसवाल, आलोक राव, वर्षा चौहान ,ललिता और आकांक्षा चौहान प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार हाई स्कूल "अमजद शिक्षा विभूषण सम्मान 2023" के अंतर्गत सुजीत कुमार, रोहित विश्वकर्मा, फहीम अहमद, अंशिका चौहान ,करीना चौहान किशन यादव, आकांक्षा चौहान का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छात्र के एबाद तारिक ने कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठोर मेहनत करना चाहिए। प्रतिदिन 6 घंटे स्व अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अमजद अली इंटरमीडिएट कालेज के अध्यापकों के साथ-साथ अपने माता पिता को दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ जमाल ने कहा के छात्र-छात्राओं ने अथक प्रयास से विद्यालय के नाम को रोशन किया है यह विद्यालय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। छात्रों के मंजिल यह ही नहीं है अभी इन्हें और मुकाम तय करना है। विशिष्ट अतिथि अदील अमजद ने कहा कि धीरे-धीरे लगातार प्रयास से आप अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एजाज अहमद ने कहा कि बच्चों को एक सही लक्ष्य का निर्धारण करते हुए निरंतर उसको प्रयास करना चाहिए। हम सभी लोग बच्चों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। ओम प्रकाश मिश्रा ने छात्र छात्राओं को शुभ आशीष देते हुए कहा कि यह सरस्वती का वरद हस्त आप पर है कि आपने अपने विद्यालय का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया। इसी तरह से उत्तरोत्तर सफलताओं को प्राप्त करो। लेकिन इसे अपना अंतिम लक्ष्य ना समझना अभी आपके सामने और भी लक्ष्य बाकी है। लुकमान आमद है छात्र छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आज आपके दिन को अमजद अली इंटर कॉलेज के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा और आने वाले छात्रों का आवाहन किया कि आपको इससे बढ़-चढ़कर के नए रिकॉर्ड कायम करने हैं और विद्यालय का नाम प्रदेश स्तर पर ऊंचा करना है। प्रधानाचार्य अब्दुल राजिक ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा छात्रों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जमीर अहमद, शाहिद जमाल, अखिलेश कुमार द्विवेदी, फैयाज अहमद, शेषनाथ पांडे, हकीमुद्दीन ,विपुल कुमार श्रीवास्तव, फरगाम,जफर आलम ,मोहम्मद तारिक नूरुद्दीन ,मानिकचंद यादव ,तौफीक अहमद ,मिठाई लाल यादव, रामदरस अनवर नियाज, ओम प्रकाश मिश्रा, लुकमान अहमद,मोहम्मद आजम, शक्ति सिंह चौहान, विवेक, सोहराब ,अलीसब्बर, फहीम अहमद ,फहीम रहमानी आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आलोक कुमार श्रीवास्तव ने किया।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा नेता भोपाल सिंह ने खाया जहर हालत नाजुक

प्रखर जौनपुर। बक्शा पुलिस पर प्रताड़ना करने का आरोप लगाते हुए भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री भोपाल सिंह उर्फ भोले ने आज जहर खा लिया है , आनन फानन में उन्हें नगर के डॉ बीएस उपाध्याय के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। बताते चले के 14 मई दिन रविवार की भोर में गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पचाहटिया गांव के पास ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार बक्सा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव के निवासी शिवजीत और सुजीत कुमार की दर्दनाक मौत हो गई थी। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने भाजपा नेता भोले सिंह की नेतृत्व में वाराणसी लखनऊ हाइवे को जाम करके धरना प्रदर्शन किया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर लाठियां भाजकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया। उसके बाद बीजेपी नेता समेत दर्जनों लोगों के खिलाफ पुलिस ने चक्का जाम करने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलास पुलिस कर रही है। बीते शुक्रवार को भाजपा नेता भोले सिंह ने अपने बयान का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करके आरोप लगाया कि पूर्व सांसद धनन्जय सिंह के दबाव में बक्शा थाने की पुलिस मुझे धनन्जय के पैरों पर झुकाना चाहती है। मेरे घर पर पुलिस दबिश देकर महिलाओं को प्रताड़ित कर रही है मेरा नमकीन का कारखाना तोड़ दी है। जिसके चलते मैं कल दिन में 12 बजे भाजपा कार्यालय पर जहर खाकर जान दे दूंगा। आज भोले सिंह बीजेपी कार्यालय के बजाय कुल्हनामऊ गांव में जाकर जहर खा लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें डॉ बीएस उपाध्याय के पास ले जाकर भर्ती कराया है।

टैक्टर की तेज रफ्तार ने ले ली नवयुवक की जान, सिर पर चढ़ा टैक्टर, मौके पर ही मौत

प्रखर महराजगंज (जौनपुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के प्रयागराज - गोरखपुर रोड पर तेज रफ्तार से आ रही सीमेंट ईट लदी टैक्टर की चपेट मे आने से बाईक सवार 32 वर्षीय युवक की मौके पर मौत हो गयी टैक्टर युवक के सिर पर चढजाने से युवक की मौके पर ही मौत हो गयी मौके पर पहुची पुलिस टैक्टर टाली समेत ड्राइबर को कब्जे मे ले लिया है शनिवार दोपहर साढे ग्यारह बजे बदलापुर थाना क्षेत्र के तियरा निवासी 32 वर्षीय युवक मनमोहन पुत्र हरीलाल काले रंग की पल्सर बाइक से महराजगंज से बदलापुर की तरफ जा रहा था कि महराजगंज तिराहा मोड़ पर गद्दोपुर की तरफ से आ रही सीमेन्ट ईट लदी टैक्टर की चपेट मे आ गया टैक्टर ट्राली का पिछला पहिया युवक के सिर पर चढ गया जहां मौके पर ही युवक की दर्दनाक मौत हो गयी मौके पर पहुची महराजगंज की पुलिस सीमेन्टईट लदी टैक्टर व चालक को कब्जे मे ले लिया एम्बुलेंस की मदद से पुलिस शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महराजगंज ले गयी जहां मृतक की जेब से आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान हो मनमोहन पुत्र हरीलाल तियरा के रूप मे हुई पुलिस द्वारा मृतक के घर फोन से सूचना दे दी है।

ब्राह्मण महासभा द्वारा पं. हरिशंकर तिवारी जी को दी गई श्रद्धांजलि

प्रखर महराजगंज (जौनपुर)। ब्राह्मण सभा द्वारा शनिवार के दिन महराजगंज में डॉ अतुल कुमार दुबे के नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां सभी ब्राह्मण इकट्ठा होकर पं. हरिशंकर तिवारी जी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई डॉ. अतुल कुमार दुबे ने कहां की तिवारी जी मूलतः ग्राम टांडा निकट बड़हलगंज जिला गोरखपुर के निवासी रहे पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे भारत में एक ब्राह्मण के कुशल नेतृत्व कर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाए और अपने जीवन काल में राजनीति के साथ-साथ ब्राह्मणों का मान बढ़ाया था। तिवारी जी ज्ञानी, तपस्वी के साथ उनमें परशुराम की भी छवि देखी गई उक्त बातें कार्यक्रम के दौरान कही। कार्यक्रम का संचालन पं. जगदीश उपाध्याय प्रधान ने किया इस मौके पर अमित पाण्डेय, श्याम मिश्रा, पंकज उपाध्याय, भैया लाल उपाध्याय, राम जी पांडे, अरुण कुमार पाठक, राकेश चौबे, रामजीत उपाध्याय, संतोष मिश्र, निलेश मिश्रा सहित बहुत से लोग मौजूद रहे।

विक्की पर बैठी शादी मे सरीक होने जा रही महिला की सड़क किनारे खाई मे गिरने से हुई मौत

प्रखर महराजगंज (जौनपुर)। क्षेत्र के गद्दोपुर समीप ठाकुरदीनगंज राजाबाजार सड़क किनारे खाई मे गिरने से शादी मे सरीक होने जा रही अधेड़ महिला की मौके पर मौत हो गयी महिला साथ विक्की चालक बुरी तरह घायल हो गया शनिवार दोपहर करीब एक बजे रिस्तेदार के साथ विक्की पर बैठकर महराजगंज के पन्नीका पूरा जा रही भिवनी पट्टी प्रतापगढ निवासी फूलपत्ती देवी 52बर्ष पत्नी बरखू महराजगंज के गद्दोपुर समीप ठाकुरदीनगंज सामने से तेज रफ्तार मे आ रही बाईक से बचने के लिए विक्की चालक सडंक किनारे पटरी पर अनियंत्रित हो विक्की सहित खाई मे जा गिरा विक्की पर पीछे बैठी महिला की खाई मे गिरने से मौके पर ही मौत हो गयी विक्की चालक महिला का रिस्तेदार रामजनक पुत्र गंगादीन निवासी अंती थाना कन्हई हनुमानगंज प्रतापगढ बुरी तरह जख्मी हो गया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं